www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार: 23 नवम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 186 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

गुजरात सड़क हादसे में कोटद्वार के तीन परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़, सात लोगों की दर्दनाक मौत



जखोली में बारात का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, चालक समेत तीन लोगों की मौके पर मौत, पांच घायल

जखोली ब्लॉक में रविवार दोपहर बरात की कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में वाहन सवार आठ लोगों में से चालक सहित तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य पांचों घायल हैं। एक गंभीर घायल को जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भेजा गया है।बरात में शामिल लोग कार से कुरछेला से जखोली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मूल्या कुरछोला और अर्जुन बेंड के बीच घेड धार के पास हादसा हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस के अनुसार हादसे में विजय सिंह पंवार (41), कुरछेला, जखोली, बसंती देवी (52) व सुनीता देवी (35), ग्राम तैला, रुद्रप्रयाग की मौके पर मौत हो गई। सीएससी जखोली के चिकित्सक डॉ.कैफ ने बताया कि घायल सतपाल सिंह, शिवानी और दिव्यांशी को श्रीनगर बेस चिकित्सालय रेफर किया गया है। जबकि दो अन्य अंजलि, सुमिता को कम चोट लगी है।

जयनत प्रतिनिधि। कोटद्वार: गुजरात के कच्छ जिले में हुए भीषण सड़क हादसे ने कोटद्वार में तीन परिवारों को कभी न भरने वाला जख्म दे दिया। भुज–खावड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर वेकरिया क्षेत्र के पास कार और टेलर की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में सेना के जवानों के परिजन और मासूम बच्चे भी शामिल हैं। हादसे की खबर मिलते ही कोटद्वार में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, हादसे में गढ़वाल राइफल्स के नायक सौरभ सिंह नेगी की पत्नी सविता नेगी और बेटी शिविका की मौत हो गई। वहीं, सेकंड गढ़वाल राइफल्स में तैनात नायक राजेश सिंह रावत और उनकी बेटी रक्षिता ने भी दम तोड़ दिया। इसके अलावा नायक नितिन गुसाईं की पत्नी रिंकी गोसाईं और मासूम बेटी वामिका की भी हादसे में जान चली गई। बताया जा रहा है कि सौरभ सिंह नेगी के परिवार के सदस्य बेटी के जन्मदिन के अवसर पर कोटद्वार से गुजरात गए थे। तीनों परिवार गुजरात के रण क्षेत्र में घूमने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान शनिवार रात करीब साढ़े नौ से दस बजे के बीच वेकरिया के पास उनकी कार सामने से आ रहे टेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर दो हिस्सों में बंट गई।

घरों में पसरा मातम

मृतकों के परिवार कोटद्वार के अलग-अलग क्षेत्रों में रहते हैं। नायक सौरभ सिंह नेगी का परिवार लालपुर में गढ़वाली टंकी के पास रहता था, जबकि नायक राजेश सिंह रावत का परिवार सिमलचौड़ और नायक नितिन गुसाईं का परिवार मोटाढाक में रहता है। हादसे की सूचना के बाद तीनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

गढ़वाल राइफल्स के ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने बताया कि नायक सौरभ सिंह नेगी और नायक राजेश सिंह रावत सेकंड गढ़वाल राइफल्स में सेवारत थे। वर्तमान में उनकी बटालियन गुजरात के भुज में तैनात है। हादसे के दिन नायक नितिन गुसाईं ड्यूटी पर थे और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं।

कानपुर में चौथी शादी की तैयारी थी; पकड़े जाने पर रोने लगी

तीन पतियों को छोड़कर लिव-इन में रह रही थी दुल्हन

कानपुर (एजेंसी)। तीन शादियां करने वाली कानपुर की दुल्हन चौथे युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। वह चौथी शादी की तैयारी में थी, तभी उसके कारनामों का भंडाफोड़ हो गया। मामला बर्रा थाना क्षेत्र का है। तीसरे पति ने आरोपी दुल्हन पर 16 लाख रुपए के जेवर और कैश लेकर फरार होने का आरोप लगाया था।



प्रगति की मां ने मामला दबाने के लिए 20 लाख रुपए मांगे

विशाल का आरोप है कि 13 अगस्त 2026 को वह अपने छोटे भाई के साथ प्रगति के पिता अशोक कुमार विश्वकर्मा के घर पहुंचा। उसने प्रगति की पिछली शादियां छिपाने को लेकर जवाब मांगा।

युवती का साथ उसका परिवार भी देता था

पुलिस ने प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा, अर्रा केडीए कॉलोनी में रहने वाली उसकी सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी को गिरफ्तार कर लिया। अशोक और सीमा रिश्ते में प्रगति के मौसा–मौसी भी हैं। वहीं, उसकी एक अन्य मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा अभी फरार हैं।

डीसीपी साउथ बोले- यह पूरा गैंग है

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया– यह पूरा एक गैंग है, जो सीधे–साधे लोगों को अपने जाल में फंसाता था। गिरोह की महिला सदस्य से उनकी शादी कराई जाती थी।

संक्षिप्त समाचार

नेतन्याहू के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार आइजनकोट

- पीएम बनाने की शर्त रखी, 7 दिन पहले कहा था- नेतन्याहू की चाल में नहीं फंसूंगा

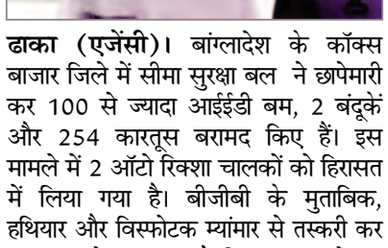
तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल में नई सरकार बनाने के लिए याशार पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को बुलाया



है। दोनों पार्टियों के बीच रविवार को गठबंधन सरकार बनाने को लेकर बातचीत होगी। आइजनकोट ने साफ किया है कि नई सरकार बनने पर प्रधानमंत्री वह खुद बनेंगे।इसके एक हफ्ते पहले नेतन्याहू ने आइजनकोट से अपील की थी कि मिलकर सरकार बनाते हैं। लेकिन आइजनकोट ने कहा था कि नेतन्याहू चुनाव हार चुके हैं। उनकी चाल में नहीं फंसूंगा।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच 100 आईईडी बम मिले

- म्यांमार से तस्करी कर लाए थे; सुरक्षा एजेंसी का दावा- बड़े हमले की तैयारी थी



ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में सीमा सुरक्षा बल ने छापेमारी कर 100 से ज्यादा आईईडी बम, 2 बंदूकें और 254 कारतूस बरामद किए हैं। इस मामले में 2 ऑटो रिक्शा चालकों को हिरासत में लिया गया है। बीजीबी के मुताबिक, हथियार और विस्फोटक म्यांमार से तस्करी कर लाए गए थे। आशंका है कि इनका इस्तेमाल बांग्लादेश में किसी बड़ी हिंसक घटना को अंजाम देने के लिए किया जाना था। हालांकि, जांच एजेंसी को अभी यह पता नहीं चला है कि संभावित हमले का निशाना कौन था।

फतेहपुर में ट्रक से टकराई डबल डेकर बस, दो की मौत

फतेहपुर (एजेंसी)। फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र में रविवार तड़के कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। सुजानीपुर मोड़ के पास दिल्ली से वाराणसी जा रही फुली एसीडबल डेकर बस आगे चल रहे आलू लदे ट्रक में पीछे से जा घुसी।हादसे में बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से 15 यात्री घायल हो गए। घटना रविवार सुबह करीब 2:50 बजे की है।

23.42 लाख श्रद्धालुओं ने बद्री विशाल और 19.33 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान केदार के किए दर्शन

बद्रीनाथ-केदारनाथ में चढ़ावे से 107 करोड़ रुपए मिले

चमोली (एजेंसी)। इस साल चारधाम यात्रा में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या के साथ चढ़ावे की रकम में भी बढ़ोतरी हुई है। दोनों धामों में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ावे के रूप में कुल 107 करोड़ रुपए बीकेटीसी को मिले।

मंदिर समिति के मुताबिक, यह आय पिछले वर्षों के रिकॉर्ड से अधिक है। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ के मुताबिक, इस साल बद्रीनाथ धाम में 23.42 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए।

वहीं, केदारनाथ धाम में 19.33 लाख श्रद्धालु बाबा केदार के दरबार पहुंचे। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिला।

सर्दियों में जोशीमठ और ऊखीमठ में हो रहे दर्शन

बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि बद्रीनाथ और केदारनाथ धामों में शीतकालीन पूजा शुरू हो चुकी है।भगवान बद्रीविशाल की पूजा जोशीमठ स्थित नृसिंह मंदिर में की जा रही है, जबकि भगवान केदारनाथ की पूजा ऊखीमठ में हो रही है।



गर्मियों में नहीं कर पाए दर्शन तो सर्दियों में पहुंचें

रांगड़ ने श्रद्धालुओं से अपील की कि जो लोग गर्मियों की यात्रा के दौरान बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के दर्शन नहीं कर पाए, वे सर्दियों में जोशीमठ और ऊखीमठ पहुंचकर पूजा-अर्चना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे शीतकालीन यात्रा को भी बढ़ावा मिलेगा।

स्थानीय कारोबार को भी मिला सहारा

रांगड़ ने कहा कि चारधाम यात्रा से उत्तराखंड के स्थानीय लोगों की आजीविका और स्वरोजगार को मदद मिली है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यात्रा को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने यात्रा के सफल संचालन में राज्य सरकार, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की।

'दमादम मस्त कलंदर' पर झूम उठी एससीओ की महफिल

पीएम मोदी भी हुए सूफी संगीत के मुरीद

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पुराने किले में सजी महफिल में जब 'दमादम मस्त कलंदर ' की गूंज उठी तो माहौल सूफियाना रंग में रंग गया। सुरों की ऐसी तान छिड़ी कि वहां मौजूद मेहमान भी संगीत



की मस्ती में डूबते नजर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस खास महफिल का आनंद लिया। मौका था शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभ्यता संवाद मंच का, जहां अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सूफी संगीत ने सरहदों से परे एक साझा सांस्कृतिक तस्वीर पेश की।

कुतबी ब्रदर्स की कव्वाली ने बांधा समां- नई दिल्ली के ऐतिहासिक पुराने किले में आयोजित एससीओ सभ्यता संवाद मंच के दौरान कुतबी ब्रदर्स ने लाइव कव्वाली की प्रस्तुति दी। उनकी आवाज में जब 'दमादम मस्त कलंदर' और 'हो लाल मेरी पत रखियो, बला झूले लालन' जैसे मशहूर कलाम गूंजे तो पूरा माहौल सूफियाना हो गया।

सभी एक ही परिवार के; खाटूश्यामजी से लौट रहे थे

राजस्थान में खड़े ट्रक में घुसी क्रूजर, 9 की मौत

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे-52 पर शनिवार देर रात एक बजे तेज रफ्तार क्रूजर सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। हादसे में क्रूजर सवार एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें दो बच्चे थे।

ट्रक ड्राइवर सहित 7 लोग घायल हुए हैं। हादसा कोटा के नाता थाना क्षेत्र में शंभूपुरा गांव के पास हुआ। शव और घायल गाड़ी में फंस गए, जिन्हें पुलिस ने लोगों की मदद से निकालकर न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भिजवाया।



सीएम ने कहा- अत्यंत पीड़ादायक

सीएम भजनलाल शर्मा ने X पर लिखा- कोटा-उदयपुर हाईवे पर शंभूपुरा के पास सड़क हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

आंध्र प्रदेश में बाइक सवार को बचाने में एसयूवी दूसरी लेन में घुसी, टक्कर से 2 की मौत; 3 घायल

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में हाईवे पर हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब सर्विस लेन से निकला एक बुजुर्ग बाइक सवार हाईवे पार करने लगा। उसे बचाने के लिए तेज रफ्तार नीली एसयूवी के ड्राइवर ने गाड़ी दूसरी लेन में मोड़ दी।इस दौरान सामने से आ रही सफेद एसयूवी से उसकी टक्कर हो गई।

अयोध्या से नेपाल के जनकपुर तक अब जाएगी ट्रेन

पीएम मोदी-बालेन शाह आज करेंगे उद्घाटन



अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या से माता सीता की जन्मस्थली नेपाल के जनकपुर धाम तक अब सीधी ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस (15595/15596) का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दोनों प्रधानमंत्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दौरान सीएम योगी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव अयोध्या में कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगे।रेलवे के मुताबिक, आम यात्रियों के लिए ट्रेन का नियमित संचालन 28 नवंबर से शुरू होगा।

जयनगर स्टेशन पर होगी दस्तावेजों की जांच

भारत से नेपाल जाने वाली यह ट्रेन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करेगी। ऐसे में सुरक्षा और निर्धारित नियमों के तहत बिहार के जयनगर स्टेशन पर यात्रियों के पहचान पत्र और जरूरी दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसी प्रक्रिया के चलते ट्रेन को जयनगर स्टेशन पर लंबा ठहराव दिया गया है। जनकपुर से अयोध्या आने के दौरान यहां एक घंटे और अयोध्या से जनकपुर जाने के दौरान दो घंटे का ठहराव होगा।

राजस्थान के माउंट आबू में ओस जमी, पारा 0 डिग्री पहुंचा

मप्र-छत्तीसगढ़ और बिहार में बारिश; यूपी के 24 जिलों में घना कोहरा



नईदिल्ली/जयपुर/पटना/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली, राजस्थान,बिहार, मप्र, उप्र,समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू में पारा 0 डिग्री तक पहुंच गया। ठंड के कारण गाड़ियों पर ओस जम गई।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। एमपी के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है।

बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा।

सर्दी के साथ प्रदूषण भी बढ़ा – सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज हुआ। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता शनिवार को भी 'खराब' कैटेगरी में बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया।दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है।



मप्र : 12 जिलों में बारिश का अलर्ट; पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ी ठंड

चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

यूपी: 24 जिलों में घना कोहरा, 4 जिलों में बारिश का अलर्ट; हरदोई में रात का पारा 11 डिग्री पहुंचा

उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

संपादकीय

नाबालिग अपराधियों की जवाबदेही

महाराष्ट्र के एक पार्क में एक युगल के साथ कथित तौर पर कुछ नाबालिग लड़कों द्वारा मारपीट और अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना केवल कानून–व्यवस्था से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में तेजी से पनप रही असहिष्णुता, नफरत और दूसरे व्यक्तियों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने वाली मानसिकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस तरह की घटनाओं में यदि नाबालिग शामिल हैं तो सवाल केवल उनके अपराध तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनके पारिवारिक परिवेश, सामाजिक संस्कार, शिक्षा और वैचारिक वातावरण तक पहुंचता है। आखिर किशोर अवस्था में ही किसी के प्रति इतनी नफरत और आक्रामकता कहां से पैदा हो रही है। अपराध की कोई जाति या धर्म नहीं होता। दोष उन्हीं व्यक्तियों का तय होना चाहिए जो कानून अपने हाथ में लेते हैं और दूसरों की गरिमा तथा अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण बहस को भी जन्म दिया है कि नाबालिग अपराधियों के लिए वर्तमान दंड व्यवस्था कितनी प्रभावी है? क्या किशोर न्याय व्यवस्था में गंभीर अपराध करने वाले किशोरों की जवाबदेही और अधिक सख्ती से तय करने की आवश्यकता है? भारत में किशोर न्याय अधिनियम के तहत 16 से 18 वर्ष के किशोरों द्वारा किए गए जघन्य अपराधों में प्रारंभिक आकलन का प्रावधान है। । सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा कि नाबालिगों की उम्र, अपराध की गंभीरता, उनकी समझ और आपराधिक मानसिकता को ध्यान में रखते हुए न्याय व्यवस्था को किस प्रकार अधिक प्रभावी बनाया जाए। केवल उम्र के आधार पर अपराध की गंभीरता को नजरअंदाज करना उचित नहीं, लेकिन किशोरों को सुधार का अवसर देना भी न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

महाराष्ट्र की यह घटना एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। यदि किशोर अवस्था में ही कानून और सामाजिक मर्यादाओं के प्रति सम्मान विकसित नहीं किया गया तो आने वाले समय में इसका खामियाजा पूरे समाज को भुगतना पड़ सकता है। सरकार, समाज और परिवार तीनों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। भारत में किशोर न्याय अधिनियम के अनुसार 16 से 18 वर्ष के किशोरों के जघन्य अपराधों में प्रारंभिक आकलन का प्रावधान है। इसलिए केवल सजा की न्यूनतम उम्र घटाने के बजाय अपराध की प्रकृति, किशोर की समझ, पुनर्वास और जवाबदेही पर व्यापक राष्ट्रीय बहस अधिक तर्कसंगत होगी।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है। कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं। तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

चीन-पाकिस्तान गठजोड़: भारत की सुरक्षा के लिए सामने नई चुनौती



सनत जैन

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने चीन और पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य एवं रणनीतिक गठजोड़ एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंध रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन संबंधों का दायरा जिस तेजी से बढ़ा है, उसने दक्षिण एशिया के सामरिक समीकरणों को प्रभावित किया है। अब यह गठजोड़ केवल भारत-पाकिस्तान सीमा तक सीमित नहीं है। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। चीन और पाकिस्तान की नजदीकी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सैन्य सहयोग है। पाकिस्तान अपनी रक्षा जरूरतों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। लड़ाकू विमानों, मिसाइल प्रणालियों, नौसैनिक उपकरणों और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में चीन की सरकार, भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए पाकिस्तान की मदद कर रहा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा उत्पादन से जुड़े समझौते भी इस सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं में बड़ा बदलाव आया है। भारत के लिए अब अपनी सुरक्षा, व्यापारिक एवं भौगोलिक रणनीति की समीक्षा करना आवश्यक हो गया है। इस गठजोड़ की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हिंद महासागर है। भारत के लिए हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और सामरिक हितों का आधार भी है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से अरब सागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन की समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय बंदरगाहों में बढ़ते निवेश को भारत के रणनीतिक हितों के संदर्भ में देखा जाना जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम को केवल सैन्य खतरे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। चीन भारत की आर्थिक निर्भरता को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बना रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों, बैटरी और औद्योगिक उत्पादन से जुड़े कई क्षेत्रों में भारत की चीनी आयात पर निर्भरता एक बड़ी चुनौती है। अमेरिकी आयोग की नवंबर 2026 की रिपोर्ट ने भी इस निर्भरता को भारत की आर्थिक और सामरिक कमजोरियों में शामिल किया है। सवाल यह है कि भारत इस बदलते परिदृश्य में अपनी स्थिति कैसे मजबूत करेगा? क्या केवल अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने से चीन और पाकिस्तान की चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है? इसका जवाब है, भारत को अपनी स्वतंत्र सामरिक क्षमता विकसित करनी होगी। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा, खुफिया तंत्र और नौसेना की ताकत बढ़ाना समय की मांग है। जापान, फ्रांस, अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ सहयोग और रिश्तो को मजबूत करना होगा। भारत को यह भी समझना होगा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थायी मित्रता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। इसलिए किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत के दीर्घकालिक हितों को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने के साथ सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। भारत इस मामले में अभी अलग-थलग पड़ गया है।

वास्तविक चुनौती चीन या पाकिस्तान के गठजोड़ से भयभीत होने की नहीं, बल्कि उसके मुकाबले अपनी आर्थिक, तकनीकी, कूटनीतिक और सैन्य शक्ति को मजबूत करने की है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा आबादी, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका की महत्वपूर्ण क्षमताएं हैं। जरूरत इन क्षमताओं को ठोस राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की जरूरत है। आखिरकार, भारत की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों और हथियारों से सुनिश्चित नहीं होगी। मजबूत अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग, समुद्री शक्ति और दूरदर्शी विदेश नीति भी उतनी ही जरूरी हैं। पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तों को भी भारत को बेहतर बनाना होगा। चीन-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है। इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुये भारत को अपनी विदेश नीति एवं दीर्घकालिक रणनीति को तैयार करना होगा। समय रहते यदि यह बदलाव नहीं किया गया तो आगे आने वाले सालों में भारत को काफी बड़ा नुकसान हर स्तर पर हो सकता है।

कौशल विकास से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना



सौरभ वार्ष्णेय

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां युवाओं की बड़ी आबादी देश की सबसे महत्वपूर्ण ताकत मानी जाती है। लेकिन केवल युवा आबादी होने से कोई राष्ट्र विकसित नहीं बन सकता। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के योग्य बनाया जाए और उनकी प्रतिभा को सही दिशा में विकसित किया जाए। आज जब दुनिया तेजी से तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास किसी भी देश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है। उनका यह संदेश केवल आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए नहीं, बल्कि देश की पूरी शिक्षा और रोजगार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत में कौशल और कारीगरी की परंपरा सदियों पुरानी रही है। लखनऊ की चिकनकारी, बनारस की रेशमी साड़ियां, कश्मीर की पश्मीना, कांजीवरम सिल्क, मलमल, कलमकारी और धातु शिल्प जैसे पारंपरिक हुनर भारतीय संस्कृति और आर्थिक समृद्धि की पहचान रहे हैं। भारतीय कारीगरों की दक्षता का लोहा दुनिया मानती रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में गुजरात की वसावाया परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि पुराने समय में गांव बसाने के साथ ही वहां जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले कुशल कारीगरों को भी बसाया जाता था। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में कौशल और श्रम का महत्व कितना व्यापक था। लेकिन समय के साथ कौशल आधारित व्यवसायों की सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती गई और डिग्री आधारित शिक्षा को सफलता का प्रमुख पैमाना मान लिया गया।

औपनिवेशिक शासन के दौरान विकसित हुई शिक्षा व्यवस्था ने भी इस मानसिकता को बढ़ावा दिया। व्यावहारिक ज्ञान और कारीगरी की अपेक्षा कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों को अधिक महत्व दिया जाने लगा। स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक इस सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। परिणामस्वरूप युवाओं में सामान्य डिग्री हासिल करने और सरकारी नौकरी पाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ती गई, जबकि तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया। आज स्थिति यह है कि एक तरफ शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटकते हैं और दूसरी तरफ उद्योगों को योग्य तकनीकी कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ता है। यह विरोधाभास बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच अभी भी बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने आईटीआई के विस्तार और कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, पिछले एक दशक में लगभग पांच हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में पांच लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। विशेष रूप से लड़कियों की भागीदारी में ढाई गुना से अधिक वृद्धि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है। यह सकारात्मक बदलाव है, क्योंकि देश के औद्योगिक और तकनीकी विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की जरूरत है।

आज रोजगार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ड्रोन तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, औद्योगिक रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। ऐसे में आईटीआई के पाठ्यक्रमों में इन आधुनिक ट्रेडों को शामिल करना महत्वपूर्ण कदम है। अब तकनीकी प्रशिक्षण केवल पारंपरिक मशीनों के संचालन तक सीमित नहीं रह सकता। युवाओं को नई तकनीकों के इस्तेमाल, उनकी मरम्मत, रखरखाव और विकास से जुड़ा ज्ञान भी देना होगा। प्रधानमंत्री ने पीएम-सेतु योजना के तहत 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश का उल्लेख करते हुए प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाने और उद्योगों से जोडने की आवश्यकता पर बल दिया है।

हालांकि, कौशल विकास की सफलता केवल नए संस्थान खोलने और नए पाठ्यक्रम शुरू करने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक प्रयोगशालाएं, योग्य प्रशिक्षक और उद्योगों के साथ व्यावहारिक तालमेल भी जरूरी है। आईटीआई से निकलने वाले युवाओं को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों में काम करने का अनुभव मिलना चाहिए। अप्रेंटिसशिप और उद्योग आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देना होगा, ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को रोजगार के लिए भटकना न पड़े। साथ ही समय-समय पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करके उन्हें बाजार की जरूरतों के अनुरूप बनाना भी आवश्यक है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव को लेकर युवाओं में रोजगार समाप्त होने की आशंकाएं भी दिखाई देती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि नई तकनीक कई पारंपरिक कार्यों का स्वरूप बदल रही है, लेकिन इसके साथ नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए बताया कि संकट के समय कुशल श्रमिकों ने महत्वपूर्ण सेवाओं को जारी रखने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका यह संदेश कि हुनरमंद व्यक्ति के लिए अवसरों की कमी नहीं होती, युवाओं को लगातार सीखने और अपनी दक्षता बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ सकेंगे, जो तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को तैयार रखेंगे।

देश में बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार ने भी कुशल श्रमिकों की मांग बढ़ाई है। आवास निर्माण, सड़क, एक्सप्रेसवे, बिजली, जलापूर्ति और औद्योगिक परियोजनाओं में इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, बढ़ई, राजमिस्त्री और तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री ने पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के अभियान के दौरान प्लंबरों की कमी का उदाहरण देकर यह स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए प्रशिक्षित कामगारों की कितनी जरूरत है। इसी तरह सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी निर्माण और खेल उपकरण उद्योग में भी कुशल युवाओं के लिए नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में भी कौशल विकास की संभावनाएं व्यापक हैं। राज्य में एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारों, मोबाइल निर्माण इकाइयों, रक्षा उत्पादन और पर्यटन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। इन परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध कराना राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2027 में ग्रेटर नोएडा में वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता आयोजित किए जाने की घोषणा की है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश और भारत के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगा। इसके साथ ही राज्य में कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ सकती है।

कौशल विकास का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि मशीनरी, हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम गांवों के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोल सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन का दबाव भी कम किया जा सकेगा। विशेष रूप से छोटे कस्बों और पिछड़े जिलों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार करना आवश्यक है।

इसके साथ ही कौशल प्राप्त युवाओं को उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। केवल प्रमाणपत्र देकर युवाओं को रोजगार के बाजार में छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले अनेक कुशल श्रमिक आज भी कम पारिश्रमिक और अस्थिर रोजगार की समस्या से जूझ रहे हैं। यदि देश को वास्तव में कौशल आधारित अर्थव्यवस्था बनाना है तो श्रम का सम्मान और श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। समाज की सोच में भी बदलाव लाना होगा, ताकि किसी तकनीकी काम को छोटा न समझा जाए।

कौशल विकास के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है। हर युवा को नौकरी देना संभव नहीं है, लेकिन प्रत्येक युवा को ऐसा हुनर दिया जा सकता है, जिसके आधार पर वह अपना व्यवसाय शुरू कर सके। इसके लिए आसान ऋण, बाजार तक पहुंच, आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना होगा। छोटे उद्योगों और स्थानीय उत्पादन इकाइयों को प्रोत्साहित करके युवाओं को रोजगार देने वाला उद्यमी बनाया जा सकता है। विकसित भारत का सपना केवल बड़े उद्योगों, आधुनिक शहरों और विशाल परियोजनाओं से पूरा नहीं होगा। इसके लिए देश के करोड़ों युवाओं को शिक्षित, प्रशिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना होगा। डिग्री के साथ हुनर, शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण के साथ सम्मानजनक रोजगार की व्यवस्था ही भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। लखनऊ के कौशल दीक्षांत समारोह से निकला संदेश भी यही है कि देश की वास्तविक ताकत उसके कुशल हाथों और मेहनतकश युवाओं में छिपी है।

राजस्थान की संस्कृति का वाहक है पुष्कर मेला



रमेश सर्राफ धमोरा

इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है।

राजस्थान में त्यौहारों, पर्वों एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं।

पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं।



पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं। मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है।

पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है।

महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारो धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थ राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं।

कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है। हिन्दुओं के लिए पुष्कर एक पवित्र तीर्थ व महान पवित्र स्थल है। वर्तमान समय में इसकी देख-रेख की व्यवस्था सरकार ने सम्भाल रखी है। अतः तीर्थस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में भी काफी मदद मिली है। यात्रियों की आवास व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाला हर तीर्थयात्री यहां की पवित्रता और सौंदर्य की मन में याद संजो कर ही लौटता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

एक सप्ताह बाद आज से बेस चिकित्सालय में शुरू होंगे अल्ट्रासाउंड

रेडियोलॉजिस्ट के ट्रेनिंग पर जाने से बंद थी सेवा, गर्भवती महिलाओं को उठानी पड़ रही थी परेशानी


कोटद्वार का राजकीय बेस चिकित्सालय

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ी अल्ट्रासाउंड सेवा सोमवार से फिर शुरू हो जाएगी। रेडियोलॉजिस्ट के प्रशिक्षण पर जाने के कारण अल्ट्रासाउंड कक्ष में ताला लटका हुआ था। इससे उपचार के लिए बेस चिकित्सालय पहुंचने वाले मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब रेडियोलॉजिस्ट के लौटने के बाद मरीजों को चिकित्सालय में ही अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिल सकेगी।

राजकीय बेस चिकित्सालय में कोटद्वार के अलावा दुगड्डा, जयहरीखाल, रिखणीखाल, द्वारीखाल और यमकेश्वर विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा सीमावर्ती जनपद बिजनौर के विभिन्न गांवों के लोग भी इसी चिकित्सालय पर निर्भर हैं। ऐसे में पिछले एक सप्ताह से अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने के कारण मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सबसे अधिक परेशानी उन गर्भवती महिलाओं को हो रही थी, जिनका उपचार बेस चिकित्सालय से चल रहा है। चिकित्सालय में तैनात एकमात्र रेडियोलॉजिस्ट के एक सप्ताह के प्रशिक्षण पर जाने के कारण अल्ट्रासाउंड सेवा ठप हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उनके स्थान पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की गई। ऐसे में मरीजों को निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों का रुख करना पड़ रहा था, जहां एक अल्ट्रासाउंड के लिए करीब एक हजार रुपये खर्च करने पड़ रहे थे। प्रभारी प्रमुख अधीक्षक डा. डीके सिंह ने बताया कि रेडियोलॉजिस्ट एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए लखनऊ गए हुए थे। सोमवार से चिकित्सालय में विधिवत अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू कर दी जाएगी।

उत्तरकाशी को धार्मिक नगरी घोषित करने की मांग तेज

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी को हरिद्वार और ऋषिकेश की तर्ज पर धार्मिक नगरी घोषित करने की मांग तेज हो गई है। उत्तरकाशी मंदिर जीणोद्धार समिति ने श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ एवं भागवत कथा के दौरान हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रकाश बडोला ने कहा कि पिछले कई वर्षों से हस्ताक्षर अभियान, ज्ञापन और पोस्टकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग की जा रही है लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान भी पालिका बोर्ड से प्रस्ताव पारित कर शासन को भेज चुके हैं। उन्होंने राज्य सरकार से जल्द ही उत्तरकाशी को धार्मिक नगरी घोषित करने की मांग की। इस मौके पर घनानंद नौटियाल, कमल सिंह रावत, आचार्य डॉ. माधव प्रसाद सेमल, डॉ. मुरली मनोहर भट्ट, मीना नौटियाल, जितेंद्र चौहान, किरण पंवार आदि मौजूद रहे।

दिसंबर में भैरवगढ़ी मंदिर परिसर में चलाया जाएगा स्वच्छता अभियान


आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः श्री गुरुगोरखनाथ पर्यावरणीय संरक्षण एवं संवर्धन समिति की ओर से दिसंबर माह में श्री भैरवगढ़ी मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान मंदिर परिसर में पूर्व में रोपे गए पौधों की देखरेख के साथ ही उनकी निराई-गुड़ाई भी की जाएगी। समिति की मासिक बैठक में यह निर्णय लिया गया।

आरपी पंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी चाहिए। इसी उद्देश्य से दिसंबर में भैरवगढ़ी मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाने और पौधों की नियमित देखभाल करने का निर्णय लिया गया। समिति अध्यक्ष आरपी पंत ने बताया कि पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पौधशाला में पौधों की शिफ्टिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में पौधशाला में आगामी वर्षाकाल में रोपण के लिए एक हजार पौधे तैयार हैं। बैठक के दौरान समिति के सदस्य रामकृष्ण बुडाकोटी और मोहन सिंह नेगी का जन्मदिन भी सादगी के साथ मनाया गया। अंत में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता स्व. सावित्री देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर अशोक नेगी, दिनेश घिल्डियाल, सच्चिदानंद पोखरियाल, उमानंद बडोला, प्रकाश हिंदवाण और बहादुर सिंह मेहरा मौजूद रहे।

आठ विद्यार्थियों ने सीखे उद्यमिता के गुर

तीन दिवसीय आवासीय बूट कैंप में स्टार्टअप और स्वरोजगार का मिला प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल के आठ छात्र-छात्राओं ने महत्वपूर्ण पहल की है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में आयोजित तीन दिवसीय आवासीय उद्यमिता बूट कैंप में प्रतिभाग कर विद्यार्थियों ने स्टार्टअप और नवाचार के गुर सीखे। इस दौरान उन्हें नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित किया गया।

महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डा. विपिन पंवार ने बताया कि बूट कैंप में प्रतिभाग के लिए महाविद्यालय में 28 अक्टूबर 2026 को जीई परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन और मेरिट के आधार पर आठ छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों में काजल, सिमरन, सानिया, निशा, प्रेरणा रावत, प्रिंस रावत, कर्ण कुमार और अनामिका शामिल रहे। उन्होंने बताया कि 18 से 20 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों ने स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार, बिजनेस मॉडल तैयार करने और स्वरोजगार की बारीकियों को व्यावहारिक रूप से समझा। आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों ने विद्यार्थियों को उद्यमशील विचारों को विकसित करने और उन्हें व्यावसायिक स्वरूप देने की जानकारी दी। डा. पंवार ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेषकर ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं के लिए उपयोगी साबित होंगे। इससे युवाओं में स्वरोजगार के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे नौकरी तलाशने वाले के बजाय रोजगार देने वाले उद्यमी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

सामूहिक विवाह समारोह में सात कन्याओं ने थामा जीवनसाथी का हाथ



आयोजित विवाह समारोह में वर-वधू को आशीर्वाद देते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सात बेटियों के जीवन में नई खुशियों की शुरुआत हुई। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत एक बारातघर में भारत विकास परिषद की ओर से सामूहिक सरल कन्या विवाह समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सात जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर दांपत्य जीवन में प्रवेश किया। इस दौरान परिषद की ओर से नवदंपतियों को गृहस्थी की शुरुआत के लिए आवश्यक सामान भी भेंट किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ चालक गबर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह आयोजित कर भारत विकास परिषद समाज को सकारात्मक संदेश देने के साथ ही जरूरतमंद परिवारों की मदद कर रही है। परिषद बिना किसी प्रचार-प्रसार के सादगीपूर्ण तरीके से ऐसे आयोजन कर सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ा रही है। कार्यक्रम संयोजक कैलाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि पं. ईश मोहन बहुगुणा के सानिध्य में सातों विवाह हिंदू रीति-रिवाज और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराए गए। परिषद की ओर से सभी नवदंपतियों को दीवान, बिस्तर, बर्तन, फर्नीचर, कपड़े, कानों के कुंडल, मंगलसूत्र और पाजेब सहित गृहस्थी का जरूरी सामान भेंट किया गया। उन्होंने बताया कि सभी विवाहों का खर्च परिषद ने जनसहयोग से स्वयं वहन किया। परिषद के सहयोग से अब तक 71 कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जा चुका है। इस मौके पर महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह रावत, पूर्व महापौर हेमलता नेगी, परिषद अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राजेंद्र जखमोला, तोता राम पांथरी, सेवक राम मानूजा, द्वारिका प्रसाद अग्रवाल, राजदीप माहेश्वरी, सुनील गुप्ता, श्रीकृष्ण सिंघानिया, राधेश्याम शर्मा, मीनाक्षी शर्मा, राकेश मित्तल, संजय अग्रवाल, मोहन सिंह रावत, मनोज नैथानी, गोपाल कुकरेती और अनूप बड़थ्वाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रात में क्रशर संचालन पर भड़के ग्रामीण

गोपेश्वर। नीती घाटी के लाता गांव में रात के समय क्रशर मशीन का संचालन और खनन किए जाने पर स्थानीय लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने इस संबंध में जिला खान अधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। विरोध के चलते ग्रामीणों ने क्रशर से निकली सामग्री को भी मौके से बाहर नहीं जाने दिया। वहीं, मामला बढ़ने पर वन विभाग की टीम ने उपखनिज से भरे पांच ट्रकों को पकड़ लिया।जिला खान अधिकारी अंकित चंद्र ने बताया कि मामले में क्रशर संचालक को नोटिस जारी किया जाएगा। क्रशर परिसर में जेसीबी के संचालन की अनुमति निरस्त करने के लिए उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ को आख्या भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब वह स्वयं मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे। साथ ही क्रशर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी ताकि रात में संचालन और खनन की स्थिति स्पष्ट हो सके।

खाई में गिरने से असम के मजदूर की मौत

पीपलकोटी।रात को निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजना के समीप असम का एक मजदूर पैर फिसलने के कारण खाई में जा गिरा और उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

पुलिस के अनुसार पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में असम की एक कंपनी निर्माण कार्य में जुटी है। कंपनी के ठेकेदार के साथ काम करने के लिए असम से कुछ मजदूरों की टीम पीपलकोटी पहुंची हुई थी। रात को एचसीसी कंपनी परिसर के समीप पैदल रास्ते से गुजरते वक्त सोनितपुर, असम निवासी मोहन लोहार (45) पुत्र बुद्धू लोहार पैर फिसलने के कारण गहरी खाई में जा गिरा। घटना की सूचना अन्य मजदूरों ने पुलिस को दी। इसके बाद ज्योतिर्मठ से मुख्य आरक्षी महेश ऐठानी के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।रात होने के कारण उसका पता नहीं चल पाया। रविवार सुबह फिर क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया गया और व्यक्ति का शव खाई से बरामद किया गया। चमोली थानाध्यक्ष मनोज सिरोला ने बताया कि मृतक एक ठेकेदार के साथ काम करने के लिए असम से आया था। तैनाती से पहले ही वह दुर्घटना का शिकार हो गया।

सीडीओ ने स्वगणना की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

गोपेश्वर। मुख्य विकास अधिकारी दीपक रामचंद्र सेठ ने जनगणना के तहत जिले में स्वगणना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने सभी विभागों को अपने कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों की स्वगणना 26 नवंबर तक अनिवार्य रूप से पूरी कराने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने स्वगणना कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर अभियान में तेजी लाने को कहा। उन्होंने नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में शिविर लगाकर लोगों को स्वगणना के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही कूड़ा वाहनों के माध्यम से भी इसका प्रचार-प्रसार करने को कहा। उन्होंने जनगणना प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को स्वगणना के प्रति जागरूक करने, जिले के गणमान्य व्यक्तियों और शिक्षण संस्थानों में भी अभियान चलाने के निर्देश दिए।

पल्स पोलियो अभियान में 1394 बच्चों को पिलाई गई खुराक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को राजकीय बेस चिकित्सालय और रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में टीकाकरण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान क्षेत्र में बनाए गए 11 बूथों पर पांच वर्ष तक के 1394 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अब अभियान के अगले चरण में स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे।

नोडल अधिकारी डा. डीके सिंह और डा. एके श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित अभियान के लिए क्षेत्र में 11 बूथ बनाए गए थे। इनमें हैप्पी होम स्कूल, आमपड़ाव इंद्रानगर, आर्य कन्या इंटर कालेज, हैप्पी होम चिल्ड्रन एकेडमी, वन विभाग कार्यालय के समीप, झूलाबस्ती, बस स्टेशन, राजकीय बेस चिकित्सालय, हिंदू पंचायती धर्मशाला और सिनेमाघर के समीप टीकाकरण केंद्र बनाए गए थे। अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ताओं के बहिष्कार के चलते टीकाकरण कार्य में दिक्कतें भी आईं। ऐसे में महाविद्यालय की एनसीसी कैडेटों और चिकित्सालय कर्मियों का सहयोग लिया गया। सुपरवाइजर



सुभाष बहुगुणा और अनिल कुमार ने भी अभियान के संचालन में सहयोग किया। नोडल अधिकारी डा. डीके सिंह ने बताया कि बूथों पर टीकाकरण के बाद अब घर-घर अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत स्वास्थ्य कर्मी घरों में पहुंचकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे।

जानकीचट्टी में हुई सफाई, स्ट्रीट लाइटें भी शुरू

बड़कोट। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में सफाई व्यवस्था को लेकर उठे सवालों के बाद अब विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू हो गई है। जिला पंचायत ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सफाई कर्मचारियों को भेजकर जानकीचट्टी और खरसाली गांव में सफाई कराई है। वहीं जानकीचट्टी में लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें भी चालू हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों को राहत मिली है।

यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने के साथ ही शीतकालीन यात्रा के प्रमुख पड़ाव पर बुनियादी व्यवस्थाएं भी एक-एक कर बंद की जा रही थी। इससे क्षेत्र में गंदगी और अंधेरे की समस्या बढ़ रही थी। जिला पंचायत के यात्रा प्रभारी रघुवीर सिंह बिष्ट ने बताया कि शीतकालीन यात्रा की सफाई व्यवस्था के लिए अभी टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कुछ सफाई कर्मचारी भेजकर दोनों क्षेत्रों में सफाई कराई गई है। वहीं स्ट्रीट



लाइटें भी चालू हो गई हैं। इधर सोमेश्वर मंदिर समिति के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत ने जिला पंचायत और जिला प्रशासन से जानकीचट्टी में नियमित सफाई कर्मचारियों की तैनाती की मांग की। उन्होंने कहा कि अस्थायी व्यवस्था से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा।

55 से अधिक देव डोलियों के सानिध्य में हो रहा पंचकुंडीय महायज्ञ

उत्तरकाशी। रामलीला मैदान में आयोजित पंचकुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण गो गंगा प्रतिष्ठा यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा में इन दिनों गंगा और रवांई घाटी की समृद्ध देव परंपरा के दर्शन हो रहे हैं। यज्ञ में शामिल होने के लिए दोनों घाटियों के विभिन्न गांवों से 55 से अधिक देव डोलियां पहुंची हैं। इस धार्मिक आयोजन का विशेष आकर्षण भटवाड़ी ब्लॉक के पंचगांव के आराध्य समेश्वर देवता हैं जो स्वयं यज्ञ मंडप में विराजमान होकर पूरे अनुष्ठान के साक्षी बन रहे हैं। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विद्वान ब्राह्मणों की ओर से हवन कुंडों में आहुतियां अर्पित की जा रही हैं। रैथल गांव के पंडित सुरेश रतूड़ी ने बताया कि समेश्वर देवता रैथल, नटीण, क्यार्क, बंद्राणी और भटवाड़ी गांव के आराध्य देवता हैं। इन पांच गांवों में देवता की विशेष मान्यता है। उन्होंने बताया कि महायज्ञ में शामिल होने के लिए रवांई और गंगा घाटी के गांवों से 55 से अधिक देव डोलियां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पहुंची हैं। देव डोलियों के आगमन से रामलीला मैदान का वातावरण भक्तिमय हो गया है। उन्होंने कहा कि काशी के भू-पति और बाड़ाहाट क्षेत्र के आराध्य कंडार देवता के आदेश के बाद समेश्वर देवता को इस पंचकुंडीय यज्ञ में विराजमान रहने की अनुमति मिली है। समेश्वर देवता के मार्गदर्शन में पांचों हवन कुंडों में विधि-विधान के साथ आहुतियां दी जा रही हैं। यज्ञ में जनपद, प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं लोककल्याण की कामना की जा रही है।

भारत बौद्धिक 2.0 परीक्षा का आयोजन

चिन्यालीसौड़।राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसौड़ में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित भारत बौद्धिक 2.0 परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रभारी प्राचार्य डॉ. कृष्णा डबराल ने कहा कि छात्राओं को आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और जीवन मूल्यों का भी ज्ञान होना जरूरी है। महाविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ. सुगंधा वर्मा ने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय संस्कृति और बौद्धिक विरासत के प्रति जागरूक करना है। परीक्षा के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

चुनाव की तैयारी में लापरवाही पर विभागों को नोटिस

उत्तरकाशी। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों में लापरवाही बरतने वाले विभागों पर अब प्रशासन सख्ती करने जा रहा है। निर्वाचन ड्यूटी के लिए आवश्यक कार्मिकों की सूचना उपलब्ध नहीं कराने वाले विभागों को नोटिस जारी किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रशांत आर्य ने निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभागवार निर्वाचन तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान सभी नोडल अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से अब तक की गई तैयारियों और उन्हें सौंपे गए दायित्वों की जानकारी प्रस्तुत की। कार्मिकों की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान सामने आया कि कुछ विभागों ने अभी तक निर्वाचन कार्य के लिए आवश्यक कार्मिकों का विवरण उपलब्ध नहीं कराया है। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित विभागों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ किया कि निर्वाचन कार्य में कार्मिकों की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है और इसके लिए सभी विभाग निर्धारित समयसीमा में सूचनाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने और आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन किया जाए।

कमद से देहरादून के लिए शुरू हुई सीधी रोडवेज बस सेवा

उत्तरकाशी। गाजणा क्षेत्र के ग्रामीणों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। कमद से देहरादून के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा शुरू होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। इस सेवा के शुरू होने से गाजणा क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। ग्रामीण कैलाश नेगी, द्वारिका सेमवाल, रमेश चमोली, प्रवेश बिष्ट आदि ने बताया कि कमद से देहरादून के लिए सीधी बस सेवा नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को लंबे



समय से आवागमन में परेशानियां उठानी पड़ रही थीं। ग्रामीणों को देहरादून पहुंचने के लिए अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए क्षेत्रवासी लंबे समय से कमद से देहरादून तक रोडवेज बस सेवा शुरू करने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने इस मांग को स्वीकृति दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले गढ़वाल समन्वयक किशोर भट्ट को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह बस सेवा केवल यात्रियों की आवाजाही तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि क्षेत्र की आर्थिकी को भी मजबूती देगी। गाजणा क्षेत्र में उत्पादित होने वाले फल-सब्जियों के साथ बड़े पैमाने पर उत्पादित ट्राउट मछली को देहरादून के बाजारों तक पहुंचाने में भी आसानी होगी। इससे स्थानीय उत्पादकों और किसानों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

आधार केंद्र से लेकर स्वास्थ्य तक सभी सुविधाएं बदहाल

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ और आसपास के इलाकों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। चिन्यालीसौड़ में आधार सेवा केंद्र का नियमित संचालन नहीं होने से लोगों को आधार कार्ड बनवाने और संशोधन के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता है। हातड़ क्षेत्र के कई गांव मोबाइल नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे हैं।

संचार सुविधा नहीं होने से ग्रामीणों को आपातकालीन स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजमर्रा के कामकाज में दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। लोगों ने समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। सामाजिक कार्यकर्ता सुमन बडोनी ने जनप्रतिनिधियों को भेजे पत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने बताया कि सीएचसी चिन्यालीसौड़ में विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। वहीं बनचौरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड की जांच की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को छोटी-छोटी जांचों के लिए भी बाहर जाना पड़ता है। इसके अलावा चिन्यालीसौड़ ऑलवेदर रोड क्षेत्र में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। विधानसभा क्षेत्र की कई लोनिवि और पीएमजीएसवाई की सड़कें भी गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण बदहाल हैं जिससे आवागमन जोखिमभरा बना हुआ है। उन्होंने आधार केंद्र का नियमित संचालन, हातड़ में मोबाइल नेटवर्क, पेयजल व्यवस्था, चिन्यालीसौड़ सीएचसी का उच्चीकरण, बनचौरा में ब्लड जांच सुविधा और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इन समस्याओं से पहले भी प्रशासन और प्रभारी मंत्री को अवगत कराया जा चुका है लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ है।

मेले के बाद अब कूड़ा निस्तारण में जुटे पर्यावरण मित्र



गौचर। औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेला गौचर के समापन के बाद मेला मैदान में जगह-जगह कूड़े कचरे के ढेर लगे हैं। सफाई कर्मी लगातार कूड़े का निस्तारण करने में जुटे हैं। मेला समापन के बाद दुकानों और स्टॉल का सामान खाली होने लगा है। हालांकि रविवार को ज्यादातर दुकानें लगी रही। सोमवार से श्रीनगर में होने वाले बैकुंठ चतुर्दशी मेले की वजह से भी दुकानदार अपना सामान समेटने लगे हैं। व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल ने कहा कि मेला समापन के बाद अब प्रशासन को सभी दुकानें हटा देनी चाहिए। वहीं नगर पालिका अधिशासी अधिकारी हेमंत चौहान ने बताया कि मैदान को जल्द साफ कर दिया जाएगा।

खेमड़ा-कुंडाली सड़क की मरम्मत के लिए 30 लाख की स्वीकृति मिली

नई टिहरी। आपदा से क्षतिग्रस्त भागीरथीपुरम-खेमड़ा-कुंडाली मोटर मार्ग की मरम्मत की राह आसान हो गई। प्रदेश सरकार ने सड़क की मरम्मत के लिए 30 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दे दी है। लोनिवि दिसंबर से मरम्मत कार्य शुरू करने की तैयारी में है। इससे लंबे समय से खस्ताहाल सड़क पर जोखिम भरा सफर करने को मजबूर लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

बीते जुलाई माह में भारी बारिश के दौरान भागीरथीपुरम-खेमड़ा-कुंडाली मोटर मार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गया था। 28 जुलाई को ल्वाडी गदेरे के समीप सड़क का काफी बड़ा हिस्सा बह गया था। इससे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। बाद में लोनिवि ने वैकल्पिक व्यवस्था कर किसी तरह वाहनों का आवागमन शुरू कराया, लेकिन सड़क की स्थिति अब भी खराब बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह पुश्ते टूटे होने से वाहनों की आवाजाही जोखिमभरी बनी हुई है। सड़क से उड़ती धूल-मिट्टी के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। मोटर मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से पैदल रास्ता भी प्रभावित हुआ था। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क की मरम्मत और सुरक्षा दीवारों के निर्माण की मांग कर रहे थे। अब शासन से 30 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद मरम्मत कार्य शुरू होने की उम्मीद जगी है। लोनिवि प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता आरपी टम्टा ने बताया कि मरम्मत कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। दिसंबर माह से सड़क पर मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा।

नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज



टिहरी। जिला पंचायत सदस्य के पति और नगर पालिका अध्यक्ष के बीच मारपीट के मामले में पुलिस ने नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जिला पंचायत सदस्य के पति जयेंद्र रावत की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मामले में दोनों पक्षों की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार 19 नवंबर की रात करीब आठ बजे गणेश चौक के पास नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत और जिला पंचायत सदस्य दर्शनी रावत के पति जयेंद्र रावत के बीच विवाद हो गया था। जयेंद्र रावत ने पालिका अध्यक्ष और उनके साथियों पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया था। जयेंद्र रावत का आरोप है कि वह काफी समय से नगर पालिका में खड़े कूड़ा वाहनों और अन्य कथित अनियमितताओं का मामला उठा रहे थे। इसी बात को लेकर पालिका अध्यक्ष और उनके साथियों ने उनके साथ मारपीट की। वहीं, पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्होंने किसी के साथ मारपीट नहीं की। उनका कहना है कि जयेंद्र रावत के साथ नगर पालिका में उनके पिछले कार्यकाल के निर्माण कार्यों के भुगतान को लेकर विवाद चल रहा है। भुगतान संबंधी फाइल में अनियमितता मिलने के कारण वह शासन में लंबित है।

प्रभारी कोतवाली निरीक्षक पवन डिमरी ने पालिका अध्यक्ष के खिलाफ तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पालिका अध्यक्ष की ओर से भी जयेंद्र रावत के खिलाफ तहरीर दी गई है, जिस पर जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

14 वर्ष बाद पांडव नृत्य, गांव के रास्ते बनाने में जुटे ग्रामीण

बसुकेदार। आपदा के एक साल बाद भी ग्राम सभा बडेथ-तालजामन को जोड़ने वाले रास्तों का निर्माण नहीं हो पाया है। गांव में विकास कार्य भी ठप पड़े हैं। अब 14 वर्ष बाद चार दिसंबर से होने वाले पांडव नृत्य के आयोजन को देखते हुए ग्रामीण खुद रास्ते तैयार करने में जुटे हैं। वहीं यहां गदेरे पर लकड़ी की पुलिया बनाने का कार्य भी ग्रामीण खुद कर रहे हैं।

ग्राम प्रधान दीनानाथ, पूर्व प्रधान शिवानंद नौटियाल, महिला मंगल दल अध्यक्ष गुड्डी देवी और युवक मंगल दल अध्यक्ष गिरीश ने बताया कि आपदा के बाद मुख्यमंत्री की ओर से क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की घोषणाएं थीं। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी विकास कार्यों के आश्वासन दिए थे, लेकिन इनमें से कोई ठोस



पहल धरातल पर नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि रास्ते नहीं बनने से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। 14 साल बाद गांव में पांडव नृत्य का आयोजन होना है। इसके लिए ग्रामीणों को खुद रास्ते तैयार करने पड़ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र रास्तों का निर्माण और मरम्मत शुरू नहीं हुई तो ग्रामीण जिला कार्यालय का घेराव करेंगे। वहीं खंड विकास अधिकारी सुरेश शाह ने बताया कि बडेथ -तालजामन को जोड़ने वाले रास्ते का काम एक सप्ताह बाद शुरू किया जाएगा।

पूजा-अर्चना कर थकलेश्वर महादेव से मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

लंबगांव (टिहरी)। रौणद-रमोली पट्टी के आराध्य इष्टदेव थकलेश्वर महादेव का त्रैवार्षिक थौलू मंडाण डोडग-थापला के चौरा में धूमधाम से मनाया गया। तीन साल बाद आयोजित मेले में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

, उन्होंने इष्टदेव के दर्शन कर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। थौलू मंडाण में डोडग-थापला, पुजारगांव और पिपलोगी समेत रौणद-रमोली पट्टी के विभिन्न गांवों के ग्रामीण शामिल हुए। रोजगार और अन्य कारणों से देश के अलग-अलग स्थानों पर रह रहे प्रवासी ग्रामीण भी गांव लौटकर आयोजन में पहुंचे। श्रद्धालुओं ने थकलेश्वर महादेव को फूल-पुष्प, पिठाई और श्रीफल अर्पित कर पूजा-अर्चना की । इस मौके पर चतर सिंह बर्त्वाल, कृपाल सिंह ब्रर्वाल, अमर सिंह बर्त्वाल, सुरेश बर्त्वाल, धनपाल बर्त्वाल, रमेश बर्त्वाल, हीरामणि उनियाल, पुष्पराज आदि मौजूद रहे।

त्रिवेणी कौथिग में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल प्रतियोगिताओं की रहेगी धूम



नई टिहरी। बौराड़ी स्टेडियम में 26 नवंबर से सात दिवसीय त्रिवेणी कौथिग का आगाज होगा। दो दिसंबर तक चलने वाले इस आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, खेल प्रतियोगिताओं और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कौथिग में लोक गायक मंगलेश डबराल, जागर सम्राट डॉ. प्रीतम भरतवाण और लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी की सांस्कृतिक संध्याएं मुख्य आकर्षण रहेंगी।

नगर पालिका नई टिहरी की ओर से आयोजित कौथिग का शुभारंभ 26 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे नगर झांकी के साथ होगा। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक झांकियां नगर क्षेत्र में भ्रमण करेंगी। इसी दिन मैत्री दौड़ का आयोजन भी किया जाएगा। शाम को लोक गायक मंगलेश डबराल की सांस्कृतिक संध्या होगी। 27 नवंबर को दिन में राज्य स्तरीय कबड्डी चैंपियनशिप शुरू होगी, जो 28 नवंबर तक चलेगी। 27 नवंबर की शाम जागर सम्राट डॉ. प्रीतम भरतवाण की प्रस्तुति होगी। 28 नवंबर को दिन में पेंटिंग और स्थानीय परिधान प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शाम को सुरगंगा संगीत विद्यालय की ओर से शान-ए-टिहरी की प्रस्तुति दी जाएगी। 29 नवंबर को दिन में कैरम, शतरंज और बैडमिंटन प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि शाम को स्थानीय लोक कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। 30 नवंबर को दिन में क्विज और शाम को कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। एक दिसंबर को दिन में रंगोली प्रतियोगिता और शाम को स्थानीय लोक गायकों की सांस्कृतिक संध्या होगी। दो दिसंबर को लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी की प्रस्तुति के साथ कौथिग का समापन होगा। नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने बताया कि त्रिवेणी कौथिग के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से पिछले वर्ष से इस मेले का आयोजन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

25 को पोखरी में लगेगा वृहद किसान ऋण मेला

पोखरी। विकासखंड सभागार पोखरी में 25 नवंबर को वृहद किसान ऋण मेला आयोजित किया जा रहा है। इसमें सहकारी बैंक व समितियों की ओर से पात्र किसानों को ऋण वितरित किया जाएगा। किसानों को कृषि गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करने व उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लिए यह मेला आयोजित किया जा रहा है। खंड विकास अधिकारी दिनेश सिंह नेगी ने बताया कि ऋण मेले में किसानों को ऋण सुविधा, विभिन्न ऋण योजनाओं व बैंकिंग सेवाओं और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। मेले में पात्र किसानों को ऋण वितरित किया जाएगा।

स्वगणना की प्रक्रिया के बारे में दी जानकारी

पोखरी। पीजी कॉलेज नागनाथ पोखरी में रविवार को स्वगणना को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कालेज के प्रध्यापकों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को स्वगणना की प्रक्रिया समझाई गई। कार्यशाला के नोडल अधिकारी डॉ. रामानंद ने स्वगणना कार्यक्रम को विस्तार से बताया। कॉलेज के तकनीकी सहायक डॉ. केवलानंद ने सभी को इसका प्रशिक्षण दिया। इसमें स्वगणना के विभिन्न चरणों, जानकारियां दर्ज करने और तकनीकी पहलुओं को समझाया और प्रतिभागियों को इसका अभ्यास भी कराया। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा ने कहा कि जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक व जनसांख्यिकीय स्थिति का महत्वपूर्ण आधार है। विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए सटीक व अद्यतन जनसांख्यिकीय आंकड़े उपलब्ध होना जरूरी है। इस दौरान डॉ. शिव सिंह रावत, डॉ. कंचन सहगल, डॉ. श्वेता, डॉ. साजिया सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ शौर्य महोत्सव का होगा आयोजन

नारायणबगड़। प्रखंड के खैतोलीखाल में 23 नवंबर से शुरू होने जा रहे प्रथम विक्टोरिया क्रॉस दरवान सिंह नेगी राजकीय शौर्य महोत्सव की सभी तैयारियां वीसी दरवान सिंह नेगी वार मेमोरियल फाउंडेशन ने पूरी कर ली हैं। फाउंडेशन के अध्यक्ष लखपत सिंह नेगी ने बताया कि सोमवार को महिलाओं की ओर से कलशयात्रा के साथ चार दिवसीय शौर्य महोत्सव का आयोजन शुरू किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में क्षेत्र की महिला एवं युवक दलों के साथ ही पिंडरघाटी बहुउद्देश्यीय सांस्कृतिक समिति थराली के कलाकारों की ओर से प्रस्तुतियां भी दीं जाएंगी। बताया कि शौर्य महोत्सव में 23 एवं 24 नवंबर को मेट्रो हॉस्पिटल एवं हृदय संस्थान हरिद्वार की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

चौरड़ा एकादश और कनखुल की टीम ने जीता मैच

कर्णप्रयाग/आदिबदरी। कांसुवा में आयोजित आरसीसी क्रिकेट टूर्नामेंट के द्वितीय दिवस का शुभारंभ पूर्व फौजी और यूथ फिजिकल एकेडमी के संस्थापक अनिल सिंह नेगी ने किया। यहां हुई प्रतियोगिता में मुकाबला चौरड़ा एकादश ने जीता। प्रतियोगिता में दूसरे दिन का पहला मुकाबला चौरड़ा एकादश और नगली की टीम के बीच खेला गया। नगली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 61 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चौरड़ा एकादश ने बिना कोई विकेट गंवाए मुकाबला अपने नाम कर लिया। चौरड़ा एकादश के कबीर को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 18 रन बनाए। इस मौके पर पंकज कुमेड़ी आदि मौजूद रहे। वहीं आदिबदरी रामलीला मैदान में आयोजित स्वर्गीय नारायण सिंह नेगी मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता के लीग मैच में कनखुल की टीम ने बद्रीश क्लब आदिबदरी को तीन विकेट से हराया।

गुप्तकाशी रामलीला में सीता हरण का मंचन



गुप्तकाशी। ग्यारह गांव रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला के छठवें दिन रावण ने सीता हरण की लीला मंचन हुंआ। मंच पर सूपर्णखा का रंगारंग प्रदर्शन करती बालिका कृष्णा ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं रावण का अभिनय करते हुए मुकेश अंथवाल ने लीला को रोचक बनाया। मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता सुमंत तिवारी ने कहा कि यहां की रामलीला का गौरवशाली इतिहास है। लीला में यहां कई विभूतियों ने हिस्सा लिया है।

विशिष्ट अतिथि आशुतोष भण्डारी व अध्यक्षता सुबोध सेमवाल ने की। समिति अध्यक्ष मदन सिंह रावत संयोजक सुरेन्द्र दत्त नौटियाल ,भगत कोटवाल, सुभाष अंथवाल, निर्देशक प्रदीप पुजारी, सहनिर्देशक बंशीधर अंथवाल बीपी.बमोला, , मनोज पांडे आदि उपस्थित रहे।

लखवाड़ बांध प्रभावितों ने मांगें पूरी न होने जताया आक्रोश

नैनबाग (टिहरी)। लखवाड़ बांध प्रभावितों का मुआवजे, रोजगार ,दर्ज मुकदमों को वापस लेने सहित अन्य मांगों को लेकर 9 वें दिन भी आंदोलन जारी रहा। मांगे पूरी न होने पर ग्रामीणों ने आक्रोश जताया। उन्होंने लिखित आश्वासन न मिलने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी है। लखवाड़ बांध प्रभावित संघर्ष समिति के अध्यक्ष प्रदीप चौहान ने कहा कि परियोजना के निर्माण लगी एलएनटी कंपनी और शासन-प्रशासन ग्रामीणों की मांगों की उपेक्षा करने में लगा है। कंपनी प्रबंधन ग्रामीणों पर फर्जी प्राथमिकी दर्ज करवाकर उन्हें डराने का काम कर रही है। कंपनी की ओर पूर्व में कई कर्मचारियों को बिना वजह के काम से हटाया गया है जिससे उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। इस मौके पर सुमित चौहान, रोहित चौहान, सुरेश रावत, अशोक तोमर,प्रदीप पुंडीर, राजेश, सुमित, सतीश तोमर, रमेश, शविम, राजेश आदि मौजूद थे।

जल्द नए भवन में शिफ्ट होगा सिंचाई विभाग का उपखंड कार्यालय

कर्णप्रयाग। सिंचाई विभाग का उपखंड कार्यालय जल्द अपने नए भवन में शिफ्ट होगा। नए भवन का लगभग 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार दिसंबर माह में नया भवन बनकर तैयार हो जाएगा। भवन में रंगरोगन सहित पहुंच मार्ग का कार्य किया जा रहा है। यहां करीब 94 लाख की लागत से सिंचाई विभाग के उपखंड कार्यालय का भवन तैयार किया जा रहा है। तहसील जिलासू के देवतोली क्षेत्र में सिंचाई विभाग का उपखंड कार्यालय दो दशक से अधिक पुराना है। पुराना होने के चलते यहां प्रशासनिक भवन और आवासीय भवन लगातार जीर्ण-शीर्ण हो रहे थे। कार्यालय के भवनों और आवासों के छत टिन शेड के बने हुए थे जो लगातार खराब होकर खराब हो रहे थे। साथ ही पुराना होने के चलते आवासीय भवन सहित कार्यालय कक्ष भी दिन-प्रतिदिन बदहाल होता जा रहा था। ऐसे में विभाग की ओर से पुराने भवन के पास खाली पड़ी 400 वर्ग मीटर पर नया भवन बनाया जा रहा है। मई माह में विभाग की ओर से यहां निर्माण कार्य शुरू किया गया था। वर्तमान में चार कार्यालय कक्षा-कक्ष बनकर तैयार हो गए हैं। वहीं भवन पर रंगरोगन का कार्य किया जा रहा है। साथ ही भवन के पहुंच मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता शुभम डोभाल ने कहा कि नया भवन बनने से सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को लाभ मिलेगा। दिसंबर माह तक कार्य पूरा हो जाएगा और उसके बाद कार्यालय को नए भवन में शिफ्ट भी कर दिया जाएगा।

उच्चीकृत हुए इंटर कॉलेजों में प्रवक्ताओं के पद खाली

आदिबदरी। शासन ने हाईस्कूल विजयसैंण और पिंडवाली को इंटर कॉलेज में उच्चीकृत तो कर दिया लेकिन डेढ़ माह बाद भी यहां किसी विषय के प्रवक्ता की नियुक्ति नहीं हो सकी है।

शिक्षकों के अभाव में कक्षा 11 के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का पठन-पाठन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

गत एक अक्तूबर को जीआईसी कांसुवा से टीसी कटाकर 29 छात्रों ने जीआईसी विजयसैंण और देवलकोट से 19 छात्रों ने जीआईसी पिंडवाली में प्रवेश लिया था। मगर यहां अभी तक प्रवक्ताओं की नियुक्ति नहीं हो पाई है। वर्तमान में हाईस्कूल के शिक्षकों के सहारे ही इंटर की कक्षाएं चलाई जा रही हैं जिससे दोनों वर्गों की पढ़ाई बाधित हो रही है। जीआईसी विजयसैंण के पीटीए अध्यक्ष दीपक मालगुडी ने कहा कि उच्चीकरण के साथ शिक्षकों की नियुक्ति भी होनी चाहिए थी। वहीं कनिष्ठ उपप्रमुख व पिंडवाली निवासी हरदेव सिंह ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत से मुलाकात की और आश्वासन भी मिला लेकिन नियुक्ति होने तक अभिभावकों की चिंता बनी हुई है। विधायक अनिल नौटियाल का कहना है कि उच्चीकृत हुए सभी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति के प्रयास विभागीय स्तर पर किए जा रहे हैं। जल्द प्रवक्ताओं की तैनाती की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

अस्पताल पहुंचने वाली सड़क बदहाल, गड्ढों से मरीज परेशान

रुद्रप्रयाग। जिला चिकित्सालय की इकाई शंकराचार्य कोटेश्वर अस्पताल को जोड़ने वाली सड़क खस्ताहाल बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं और कई स्थानों पर सड़क उखड़ चुकी है। इस कारण अस्पताल तक 300 मीटर हिस्से में आने-जाने वाले मरीजों, तीमारदारों, चिकित्सकों, कर्मचारियों के साथ ही स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

व्यापारी सौरभ पुरोहित ने कहा कि इस सड़क से प्रतिदिन एंबुलेंस की आवाजाही होती है। गड्ढों के कारण एंबुलेंस में मरीजों को हिचकोले खाते हुए अस्पताल तक पहुंचना पड़ता है। गौरव रावत ने बताया कि सड़क खराब है। वहीं अस्पताल में तैनात पैथोलॉजिस्ट डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति के संबंध में लोक निर्माण विभाग को पहले ही सूचना दी गई थी। इसके बाद विभाग की ओर से गड्ढों में भरान तो कराया गया लेकिन इससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। वहीं लोनिवि के सहायक अभियंता ओमप्रकाश चंद्रा ने बताया कि इस मार्ग को सुधारने के लिए इसे जिला योजना में प्रस्तावित किया जाना है और गड्ढों का भरान कार्य शीघ्र होगा।



रुद्रप्रयाग पहुंची यात्रा, तिलवाड़ा में होगा रात्रि विश्राम



रुद्रप्रयाग। द अल्टीमेट हिमालयन एमटीबी चैलेंज 2026 की साइकिल यात्रा रविवार को रुद्रप्रयाग जिले में पहुंची। यात्रा रात्रि विश्राम तिलवाड़ा में करेगी। इसके बाद 24 नवंबर को वे टिहरी के कोटी कॉलोनी के लिए रवाना होंगे। प्रतियोगिता का यह पांचवां संस्करण है। रविवार को रेस के चरण में हरियाणा के शिवेन ने पहला स्थान हासिल किया। लद्दाख के त्सेवांग नोरबू दूसरे और आर्मी एडवेंचर टीम के खुशिमान घरती तीसरे स्थान पर रहे। यह रेस कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के 10 जिलों से होकर गुजर रही है। साइकिलिस्टों के आवागमन और तिलवाड़ा में ठहरने के लिए जिला प्रशासन ने व्यवस्थाएं की हैं। इस दौरान जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश मिश्रा, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार और जिला युवा कल्याण अधिकारी वरद जोशी मौजूद रहे।

स्थानांतरण पर तीन निरीक्षकों को दी विदाई

रुद्रप्रयाग। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जनपद से अन्य जिलों में स्थानांतरित हुए तीन निरीक्षकों को रविवार को पुलिस कार्यालय में विदाई दी गई। इनमें निरीक्षक मनोज नेगी, मुकेश चौहान और राकेश कुमार शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने तीनों निरीक्षकों के कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने तीनों निरीक्षकों को स्मृति चिह्न भेंट किए। इस दौरान सीओ विकास पुंडीर, सीओ अवनी तिवारी, निरीक्षक एलआईयू संतोष भट्ट, निरीक्षक संचार प्रमोद पेटवाल सहित थाना और शाखा प्रभारी तथा पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बाल नाट्य प्रस्तुति से दिया नशामुक्ति का संदेश

उत्तरकाशी। रामलीला मैदान में आयोजित पंचकुंडीय श्री लक्ष्मी-नारायण गो-गंगा प्रतिष्ठा यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा के अवसर पर सौरभ फाउंडेशन की ओर से बाल नाट्य प्रस्तुति और युवा जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने नशे के दुष्परिणामों पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। नाटक के माध्यम से गलत संगत से बचने और नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य बनाने का संदेश दिया गया। फाउंडेशन के सदस्य जयआदित्य नौटियाल ने कहा कि युवाओं को आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए लेकिन अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से भी जुड़े रहना जरूरी है। उन्होंने युवाओं को स्थानीय भाषा और सांस्कृतिक पहचान को तकनीक के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। फाउंडेशन के संस्थापक आकाश भट्ट ने उपस्थित जनसमूह को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने नशे को ना, खेल और जिंदगी को हां अभियान के माध्यम से युवाओं से नशे से दूर रहने और खेलों व सकारात्मक गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

चीन को पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान

बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे।

पेरू में 6.9 तीव्रता का आया भूकंप, राजधानी लीमा तक लगे झटके, प्रशांत रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में कांपी धरती

लीमा, एजेंसी। मध्य पेरू के एंडीज क्षेत्र में शुक्रवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी नुकसान या हताहत की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज में था। भूकंप की गहराई 108 किलोमीटर दर्ज की गई। पेरू के भूभौतिकीय संस्थान ने भी किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं दी। पेरू के जियोफिजिकल इंस्टीट्यूट ने बताया कि किसी तरह के नुकसान या लोगों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित कारहुआमायो के मेयर, अब्देल वेगा ने भी एक स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पेरू की राजधानी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग सड़कों पर निकल आए। पेरू रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां दुनिया के अधिकांश भूकंप आते हैं। अगस्त में पेरू के एंडीज में 6.7 तीव्रता के भूकंप से दो लोग घायल हुए थे। जुलाई में जुनिन क्षेत्र में 5.5 तीव्रता के भूकंप से छह लोगों की मौत और 30 लोग घायल हुए थे।

परमाणु हथियारों की होड़: ट्रंप बोले- चीन तेजी से बढ़ा रहा अपना जखीरा, शी-पुतिन से मुलाकात के बाद जताई चिंता

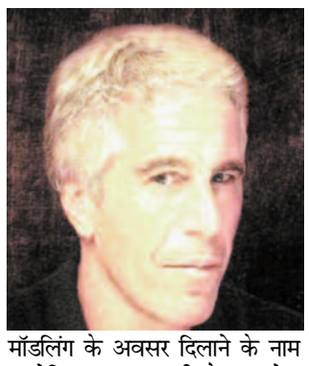
वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन तेजी से परमाणु हथियार बना रहा है। उन्होंने इसे तेज और भारी विस्तार बताया है। यह टिप्पणी उन्होंने चीनी नेता शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद की। तीनों देशों ने परमाणु अप्रसार रोकने पर बातचीत के लिए सहमति जताई है। यह बैठक गुरुवार को दक्षिणी चीनी शहर शेन्जन में हुई थी। रूस और अमेरिका के पास हजारों परमाणु हथियार हैं। वे दुनिया में इस मामले में सबसे आगे हैं। वहीं चीन अपने परमाणु जखीरे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पेंटागन ने चीन के सैन्य विस्तार की अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों का भंडार 2024 तक 600 से कम रहा। हालांकि, देश 2030 तक 1,000 से अधिक परमाणु हथियार रखने की राह पर है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक समाचार सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने चीन के परमाणु विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा, वे 10 साल के भीतर हमें पकड़ लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि चीन इस पर तेज और भारी गति से काम कर रहा है। ट्रंप की ये सार्वजनिक टिप्पणियां उनकी विवादित शिखर बैठक के बाद पहली थीं। इस बैठक में अमेरिका के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले देशों के नेता शामिल थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को ट्रंप के साथ पत्रकारों से बात की। रुबियो ने जोर दिया, इन तीनों देशों के पास इस ग्रह पर परमाणु हथियारों का भारी बहुमत है। उन्होंने कहा कि इन तीनों नेताओं का नियमित रूप से बातचीत न करना सिर्फ बेतुका नहीं, बल्कि खतरनाक है।

एपस्टीन को क्यों पसंद थीं रूसी महिलाएं: पुतिन से मिलने का सपना, सत्ता के गलियारों तक पहुंचने का भी था इरादा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन की कहानी सिर्फ यौन शोषण और मानव तस्करी तक सीमित नहीं थी। वह दुनिया के अमीर और प्रभावशाली लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना चाहता था। रूस के साथ उसका रिश्ता भी इसी कोशिश का हिस्सा था। शुरुआत रूसी मॉडल्स और युवा महिलाओं से हुई, लेकिन धीरे-धीरे उसकी दिलचस्पी वहां के अरबपतियों, कारोबारियों और सरकारी अधिकारियों तक पहुंच बनाने में बढ़ती गई। यहां तक कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की कोशिश भी करता रहा।

रॉयटर्स की पड़ताल के मुताबिक, रूस के प्रति एपस्टीन की दिलचस्पी के पीछे महिलाओं तक पहुंच, ताकतवर लोगों से संपर्क और अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा दोबारा हासिल करने की कोशिश जैसे पहलू थे।

रूस से एपस्टीन की दिलचस्पी कैसे शुरू हुई : 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और सोवियत संघ के खुलने के बाद पश्चिमी देशों की मॉडलिंग एजेंसियों की नजर पूर्वी यूरोप और रूस की युवा प्रतिभाओं पर पड़ी। उस दौर में कई मॉडलिंग एजेंट नए चेहरों की तलाश में रूस और आसपास के देशों में पहुंच रहे थे। इसी नेटवर्क में फ्रांस के मॉडलिंग एजेंट जीन-ल्यूक ब्रुनेल भी शामिल थे। वह पेरिस की मॉडलिंग एजेंसी करिन मॉडल्स के लिए काम करते थे। उनका काम पूर्वी यूरोप और पूर्व सोवियत संघ से लड़कियों और युवतियों को



मॉडलिंग के अवसर दिलाने के नाम पर पेरिस लाना था। इसी दौरान ब्रुनेल के जरिए एपस्टीन की मॉडलिंग की दुनिया में पहुंच बढ़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कम उम्र की लड़कियों को मॉडलिंग और बेहतर करियर का सपना दिखाकर उसके संपर्क में लाया जाता था। 1991 में पेरिस में ब्रुनेल के एक कार्यक्रम में शामिल हुई पूर्व मॉडल थिसिया हुइसमैन ने एक रूसी लड़की को एपस्टीन के साथ बैठे देखा था। उनके मुताबिक, लड़की काफी कम उम्र की लग रही थी और उसने बताया था कि ब्रुनेल उसे सुपरमॉडल बनाने का वादा करके पेरिस लाए थे।

मॉडलिंग का नेटवर्क शोषण का जरिया कैसे बना : एपस्टीन का रूस से जुड़ाव सिर्फ मॉडल्स से मुलाकात तक सीमित नहीं रहा। धीरे-धीरे मॉडलिंग एजेंसियां उसके लिए महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाने का माध्यम बनती गईं। रॉयटर्स की जांच में पूर्व सोवियत संघ की कम से कम 17 ऐसी महिलाओं की पहचान हुई, जिन्हें एपस्टीन के यौन शोषण और मानव तस्करी के नेटवर्क में लाया गया था। 2003 में ब्रुनेल ने मियामी में करिन मॉडल्स ऑफ अमेरिका नाम से मॉडलिंग एजेंसी शुरू की। दो साल बाद इसका नाम बदलकर स्क्र2 मॉडल्स मैनेजमेंट कर दिया गया। ब्रुनेल ने फ्रांसीसी जांचकर्ताओं को बताया था कि एपस्टीन ने इस एजेंसी को 3 लाख डॉलर के कर्ज की गारंटी दी थी। रूस से मॉडल्स की भर्ती करती थी। एजेंसी उन्हें अमेरिका जाने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करती थी, जबकि एपस्टीन उनके रहने के लिए अपार्टमेंट की व्यवस्था करता था। इस व्यवस्था का एक उदाहरण स्वेतलाना पॉझिदायेवा हैं। उन्होंने रॉयटर्स को बताया कि 2008 में पेरिस में उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। उसने उन्हें विक्टोरिया सीक्रेट में मॉडलिंग का अवसर दिलाने का वादा किया था। अगले साल वह अमेरिका पहुंचीं और MCw से जुड़ गईं। बाद में वह एपस्टीन की निजी सहायक भी बनीं। उनके मुताबिक, एपस्टीन उनका यौन शोषण करता था। उन्होंने बताया कि उनका वीजा एजेंसी के जरिए था, रहने की व्यवस्था एपस्टीन करता था और उनके खर्चों को कर्ज के रूप में दर्ज किया जाता था। इससे उनके लिए उस माहौल से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था।

रूसी अरबपतियों से दोस्ती क्यों चाहता था एपस्टीन : 2008 में नाबालिग लड़की से जुड़े यौन अपराध सहित वेश्यावृत्ति के आरोपों में दोष स्वीकार करने के बाद एपस्टीन को 13 महीने जेल में रहना पड़ा था। इसके बाद उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा। रॉयटर्स के मुताबिक, इसी दौर में उसने रूसी अरबपतियों और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने की कोशिश की। वह खुद को वित्तीय मामलों का विशेषज्ञ बताता था और अमीर कारोबारियों को निवेश संबंधी सलाह देने की पेशकश करता था। इनमें रूसी रियल एस्टेट कारोबारी व्लादिस्लाव डोरोनिन भी शामिल थे। 2010 में डोरोनिन के कार्यालय ने एपस्टीन को मॉस्को के एक चैरिटी कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। बाद में दोनों ने न्यूयॉर्क में डिनर किया और मॉस्को की एक बड़ी रियल एस्टेट परियोजना पर चर्चा भी की। एपस्टीन ने धातु उद्योग के अरबपति ओलेग डेरिपास्का से भी संपर्क बनाने की कोशिश की। हालांकि, दोनों की मुलाकात हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। रूस में एपस्टीन की दिलचस्पी का सबसे अहम पहलू पुतिन तक पहुंच बनाना था। सितंबर 2011 में वह रूस की यात्रा की योजना बना रहा था। उसके ईमेल में मॉडलिंग एजेंट और एक वैज्ञानिक अकादमी से मुलाकात का जिक्र था। एक कर्मचारी ने बताया था कि उसके रूसी बॉडीगार्ड के अनुसार, एपस्टीन की पुतिन से मुलाकात भी तय थी। हालांकि, बाद में यात्रा रद्द हो गई और मुलाकात होने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली बड़ी राहत, सीनेट ने सेना की वापसी से जुड़े प्रस्ताव को किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध पर हुए अपने पहले मतदान में, अमेरिकी सीनेट ने हाउस (प्रतिनिधि सभा) ने पारित एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया गया था। सीनेट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुवार को यह प्रस्ताव 48-51 के अंतर से गिर गया। इसके खारिज होने के साथ ही सीनेट में यह प्रस्ताव समाप्त हो गया है। तीन रिपब्लिकन सदस्यों - मेन की सुसान कोलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी के रैंड पॉल - ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पेंसिल्वेनिया के डेमोक्रेट जॉन फेटरमैन ने इसके खिलाफ वोट किया। कनेक्टिकट के डेमोक्रेट क्रिस मर्फी ने मतदान नहीं किया और सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से अनुपस्थित घोषित किया गया। नॉर्थ कैरोलिना के रिपब्लिकन थॉम टिलिस, जिन्होंने सितंबर में इसी तरह के एक प्रस्ताव का समर्थन किया था। उसने इस बार इसके खिलाफ वोट दिया। इससे पहले वाला प्रस्ताव, 24 सितंबर को 49-50 के अंतर से गिर गया था। सीनेटर एडम शिफ के कार्यालय ने बताया कि गुरुवार को हुआ मतदान युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव के जरिए युद्ध को खत्म करने के लिए सीनेट का 15वां वोट था। रोल कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, सीनेट ने 23 जून को 50-48 के अंतर से ऐसा ही एक प्रस्ताव पारित किया था।

मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि सेठ मौल्टन ने 28 अप्रैल को पेश किया था। 15 सितंबर को हाउस ने 220-204 के अंतर से इसे मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव में 1973 के युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव की धारा 5(ष) का हवाला दिया गया था। एक समवर्ती प्रस्ताव होने के नाते, इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी।

डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने क्या कहा : बहस के दौरान, वर्जीनिया के डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने अपने साथियों से कहा, वही करें जिसकी मांग संविधान करता है, जिसकी मांग हमारी जनता करती है और वह है इस अवैध युद्ध को खत्म करना। कांग्रेसनल रिकॉर्ड के अनुसार, केन ने कहा, अमेरिकी जनता इससे तंग आ चुकी है। लेकिन हम, यहां सीनेट में, इसे ठीक करने की क्षमता रखते हैं। यह वोट देना कि यह युद्ध अवैध है, इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। विस्कॉन्सिन की डेमोक्रेटिक सीनेटर टैमी बाल्डविन ने सदन में कहा कि इस युद्ध की वजह से करदाताओं के कम से कम 47 अरब डॉलर खर्च हुए हैं और 23 अमेरिकियों ने अपनी जान गंवाई है।

सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए डील नहीं, अराघची ने अमेरिका को दिया संदेश, कहा- पहले दे सुरक्षा की गारंटी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि तेहरान केवल मौजूदा गतिरोध को खत्म करने के लिए वाशिंगटन के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा होनी चाहिए और भविष्य में फिर से संघर्ष न होने का आश्वासन मिलना चाहिए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि तेहरान मौजूदा न युद्ध, न शांति वाली स्थिति में बने रहने के बजाय एक अच्छा, सम्मानजनक और स्थायी समझौता चाहता है। वाशिंगटन के साथ किसी भी संभावित समझौते के टिकाऊपन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, आज कोई समझौता करने का क्या फायदा, अगर दो महीने बाद ही उसका उल्लंघन हो जाए और फिर से युद्ध शुरू हो जाए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा अराघची ने बताया कि जून में हुए संघर्ष-विराम समझौते के महज 15 दिन बाद ही लड़ाई फिर से शुरू हो गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेहरान केवल मौजूदा स्थिति से बचने के लिए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए हर समझौता स्वीकार करने लायक नहीं होता।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जो एक और युद्ध को रोके, और इसमें ऐसी कोई रियायत नहीं होनी चाहिए जिसे वाशिंगटन अपनी जीत के रूप में पेश कर सके। परमाणु मुद्दे पर, अराघची ने कहा कि ईरान 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को लेकर बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने इस सामग्री को देश के बाहर भेजने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु संवर्धन पर एक उचित फॉर्मूला निकाला जा सकता है, लेकिन साथ ही जोर दिया कि इस मुद्दे को अन्य मांगों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसे एक व्यापक समझौते का हिस्सा होना चाहिए, जो ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे।

लॉरेंस के करीबी गोल्डी पर यूएस ने कसा शिकंजा, एफबीआई ने घोषित किया मोस्ट वांटेड भगोड़ा, रखा 9 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की तलाश में अमेरिका और कनाडा की जांच एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआ ने उसे अपनी टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़े की सूची में शामिल किया है। वहीं, कनाडा ने भी हाल ही में उसे देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की सूची में शीर्ष स्थान पर रखा है। एफबीआई ने गोल्डी बराड़ की सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (9.26 करोड़ रुपये) तक का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, कनाडा में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम घोषित किया गया है।

एफबीआई ने 28 सितंबर 2026 को सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी मोस्ट



वांटेड सूची में शामिल किया था। वह इस सूची में शामिल होने वाला 543वां भगोड़ा है। अमेरिकी एजेंसी के मुताबिक, बराड़ लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह का उत्तरी अमेरिका में कथित प्रमुख है। इस गिरोह पर अमेरिका और कनाडा में कई हिंसक अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। एफबीआई के अनुसार, इन अपराधों में राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की लक्षित हत्याएं, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, हमले और मादक पदार्थों व हथियारों की तस्करी शामिल हैं। अमेरिकी एजेंसी ने बराड़ को बेहद खतरनाक और हथियारबंद बताया है। अमेरिका में किन मामलों में गोल्डी पर केस दर्ज एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ के खिलाफ अमेरिका की संघीय अदालत में कई गंभीर आरोप दर्ज हैं। इनमें संगठित अपराध गिरोह चलाने की साजिश, जबरन वसूली के लिए साजिश और मादक पदार्थों के वितरण की साजिश शामिल है। अमेरिकी जांच एजेंसी ने बताया कि सात जुलाई 2026 को ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े 37 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए थे। इनमें लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ से जुड़े गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं। एफबीआई के अनुसार, बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है। इस गिरोह पर अमेरिका में भी हिंसक गतिविधियों, जबरन वसूली और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। कनाडा ने टॉप-25 वांछितों की सूची में पहले स्थान पर क्यों रखा इससे पहले 19 नवंबर को कनाडा के बोलो प्रोग्राम ने देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की नई सूची जारी की थी। इसमें गोल्डी बराड़ को पहले स्थान पर रखा गया। कनाडा के विनिपेग पुलिस विभाग ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले को 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है। यह इनाम कनाडा या अमेरिका में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर मिलेगा। इसकी समयसीमा दो नवंबर 2027 तक है।

यूएनएससी में गतिरोध बरकरार: अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात, जानें क्या बात बन रही बाधा

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी। शुक्रवार को काउंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने



वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त अरब अमीरात की राज्य मंत्री लाना नुसैबेह सात सकारात्मक वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें भी स्थायी सदस्यों से तीन नकारात्मक वोट मिले। अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने उन उम्मीदवारों से दौड़ से बाहर होने को कहा, जिन्हें बहुत कम समर्थन मिल रहा है। मतदान से पहले उन्होंने कहा, अगर उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है, तो शायद अब समय आ गया है कि वे पीछे हट जाएं, ताकि काउंसिल उन उम्मीदवारों पर विचार कर सके जिन्हें कुछ हद तक समर्थन मिल रहा है। चूंकि यह मतदान गुप्त था, इसलिए यह पता नहीं चल सका कि किन स्थायी सदस्यों ने नकारात्मक वोट दिए। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों ने मांग की है कि अगला महासचिव इसी क्षेत्र से होना चाहिए। 1991 में जेवियर पेरेज डी कुएलर का कार्यकाल खत्म होने के बाद से, इस क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने यह पद नहीं संभाला है। उस बात को 35 साल बीत चुके हैं।

अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया तो खैर नहीं, एफबीआई चीफ की साइबर अपराधियों को दो टूक

वाशिंटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्तीय और कॉर्पोरेट तंत्र पर बढ़ते साइबर हमलों और तकनीकी रुकावटों के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने आक्रामक रुख अपना लिया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकी नागरिकों और व्यवसायों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई ने साइबर खतरों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर ऑपरेशन विंटर शील्ड शुरू करने का एलान किया है।

क्या है एफबीआई का ऑपरेशन विंटर शील्ड : एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि ऑपरेशन विंटर शील्ड का मकसद देश के साइबर डिफेंस को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सरकारी प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना है। पटेल ने कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई कर रही है। हमारा संदेश बिल्कुल साफ है- यदि आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाएंगे, तो कानून आपको ढूंढ निकालेगा। साइबर नीति के शीर्ष नेतृत्व में क्या बदलाव हुए हैं साइबर सुरक्षा को लेकर यह अमेरिका का यह आक्रामक रुख ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन ने अपने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा फेरबदल किया है।

नई नियुक्ति- व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया है। स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी होने के कारण डेविस फिलहाल कार्यवाहक रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी।

पूर्व निदेशक का कार्यकाल : डेविस ने सीन केर्नक्रॉस का स्थान लिया है, जो अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने डेविस की नियुक्ति का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि वह अमेरिका की साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

जेपी मॉर्गन चेस के ग्राहकों का डेटा कैसे हुआ प्रभावित : अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में साइबर लचीलेपन (साइबर रेजिलिएंस) को लेकर चिंताएं उस वक्त और बढ़ गईं जब देश के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन चेस ने अपने तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (थर्ड-पार्टी वेंडर्स) पर साइबर हमले का खुलासा किया। इस हमले में बैंक के लगभग 16,000 सबसे धनी ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी प्रभावित होने की आशंका है। यह लीक बैंक के विशेष रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जो निमंत्रण-आधारित वीजा क्रेडिट कार्ड है और जिसके लिए आम तौर पर प्रबंधन के तहत एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति होना आवश्यक होता है।

अमेरिका में हैकर्स का फिर हमला: एफबीआई के आपराधिक रिकॉर्ड्स में दूसरी बार लगी सेंध, जानें यह कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा सुरक्षा तंत्र को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के सबसे महत्वपूर्ण नेशनल क्राइम इंफॉर्मेशन सेंटर डेटाबेस में सेंधमारी का गंभीर मामला सामने आया है। हाल के महीनों में देश के अपराध रिकॉर्ड को निशाना बनाने वाली यह दूसरी बड़ी साइबर सुरक्षा घटना है। यह हैक ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी प्रशासन बैंकिंग और बुनियादी ढांचा प्रणालियों में आई तकनीकी रुकावटों के बाद सार्वजनिक विश्वास बहाल करने में जुटा हुआ था।

नवीनतम सेंधमारी ने एफबीआई के जिस देशव्यापी आपराधिक सूचना डेटाबेस को निशाना बनाया है, वह पूरे अमेरिकी कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए जीवन रेखा के समान है।

संवेदनशील रिकॉर्ड : इसमें फरार अपराधियों (भगोड़ों), चोरी की संपत्तियों, अदालती वारंटों, बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रहती है।

सूचना तंत्र पर असर : जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस ब्रीच के चलते संघीय, राज्य और स्थानीय एजेंसियों के बीच महत्वपूर्ण सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान में बड़ी बाधा उत्पन्न होने की आशंका है। ताजा साइबर ब्रीच पर एफबीआई निदेशक की



क्या प्रतिक्रिया रही एफबीआई अधिकारियों को इस नई साइबर सुरक्षा घटना की जानकारी मिलने के बाद, एजेंसी के निदेशक कश पटेल फॉक्स न्यूज पर सामने आए। पटेल ने एफबीआई के साइबर सुरक्षा कार्यों का बचाव करते हुए एक ऐसे ऑपरेशन पर विस्तार से बात की, जो वास्तव में महीनों पहले ही पूरा हो चुका था। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों के सिस्टम अपडेट करवाना और हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुँचने से रोकना था। ऑपरेशन विंटर शील्ड का उल्लेख- पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का ज़िक्र इस तरह किया मानो वह कार्रवाई वर्तमान में भी सक्रिय हो। प्रशासनिक नीतियों का बचाव- उन्होंने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा हेतु सिस्टम अपडेट करने के लिए मौजूदा प्रशासन की सराहना की और तर्क दिया कि पूर्ववर्ती प्रशासन भी ये तकनीकी सुधार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भर्ती वेबसाइट पर हमला- इसी वर्ष सितंबर में शाइनीहंटर्स नामक हैकर समूह ने एफबीआई की भर्ती (जॉब) वेबसाइट को निशाना बनाया था, जिसमें एजेंसी कर्मचारियों का संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ था। इस मामले में एक कनाडाई साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और लेखक को गिरफ्तार भी किया गया है। कर्मचारियों का असंतोष- उस हमले के बाद कई कर्मचारियों में रोष था क्योंकि उन्हें समय पर यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ है या नहीं, और पीड़ितों को दिए गए सुरक्षा संसाधन भी नाकाफी थे।

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस हैक (2023): इससे पहले वर्ष 2023 में हैकर्स ने एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाई थी, जिसका इस्तेमाल बाल यौन शोषण मामलों और जेफरी एपस्टीन जांच से जुड़ी फाइलों को रखने के लिए किया जाता था।

वित्तीय और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्या हैं खतरे : एफबीआई डेटाबेस में यह ताजा सेंधमारी ऐसे नाजुक मोड़ पर सामने आई है, जब अमेरिकी संस्थाएं व्यापक तकनीकी संकट से जूझ रही हैं। हाल के दिनों में प्रमुख बैंकों, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों में भारी तकनीकी रुकावटें (आउटेज) दर्ज की गई हैं।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा



पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीज़ें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।



दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।



वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें: यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें: सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें: सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप: यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।



वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।



पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।



ऋषिकेश रेलवे स्टेशन बना आवारा पशुओं का अड्डा?

ऋषिकेश। योगनगरी ऋषिकेश के रेलवे स्टेशन परिसर में आवारा पशुओं की खुलेआम आवाजाही से रेलवे की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म के आसपास मवेशियों के घूमने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही के बीच आवारा पशु बेखौफ घूमते नजर आ रहे हैं। स्टेशन जैसे सार्वजनिक और व्यस्त स्थान पर मवेशियों की मौजूदगी से अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो रही है। इससे यात्रियों, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री पहुंचते हैं। ऐसे में प्लेटफॉर्म और परिसर में आवारा पशुओं का घूमना किसी अप्रिय घटना का कारण बन सकता है।



यात्रियों को हर समय सतर्क रहना पड़ रहा है। इस स्थिति को लेकर रेलवे प्रशासन की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर स्टेशन परिसर में आवारा पशुओं की आवाजाही रोकने के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं? क्या नियमित निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था की कोई प्रभावी व्यवस्था है?

स्थानीय स्तर पर यात्रियों की मांग है कि रेलवे प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्टेशन परिसर को आवारा पशुओं से मुक्त कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिल सके।

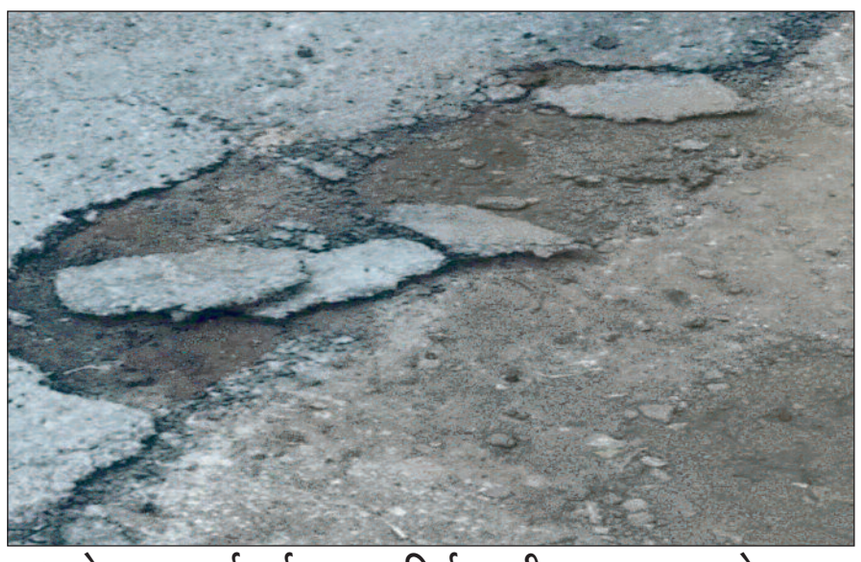
भंडारे के साथ श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक के क्यारी गांव संचालित श्रीमद्भागवत कथा का रविवार को हवन–यज्ञ, प्रसाद वितरण एवं भंडारे के साथ समापन हो गया। कथा वक्ता राष्ट्रीय संत लवदास महाराज ने कथा प्रवचन करते हुए कहा कि कलयुग में श्रीमद्भागवत कथा को अमृत के समान माना गया है। कहा कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यों का आयोजन कर मनुष्य पुण्य का भागीदार बन सकता है। उन्होंने कथा श्रवण करने आए लोगों से श्रीमद्भागवत कथा के सारा को जीवन में उतारने की अपील की है। कहा जो व्यक्ति सच्चे मन से कथा का श्रवण करता है, और जीवन में उसका अनुश्रण करता है, उनका उद्धार निश्चित है। लोगों ने व्यास गद्दी से आशीर्वाद लेकर सुख–समृद्धि मांगी। इस मौके पर जयदेव सिंह पंवार,चरण सिंह पंवार, विजेंद्र पंवार, आचार्य भानु प्रकाश जोशी, कपिल सेमवाल, सुभाष चंद्र नौटियाल, अंकुश कृष्ण लेखवार आदि मौजूद थे।

जौनसार–बावर के आयुष का नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में चयन



देहरादून। उत्तराखंड के जनजातीय क्षेत्र जौनसार–बावर की ग्रामीण खेल प्रतिभाएं लगातार अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रही हैं। इसी कड़ी में जौनसार–बावर के सीमांत कठंगा गांव निवासी होनहार छात्र आयुष का चयन अंडर–14 राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए हुआ है। आयुष की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आयुष का चयन वॉलीबॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। अंडर–14 राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 23 से 27 नवंबर तक महाराष्ट्र के शिरडी में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। बताया गया कि आयुष को कुछ समय पहले महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून में प्रवेश मिला था। यहां प्रशिक्षण के दौरान उन्हें खेल की बारीकियां सीखने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिला। अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर उन्होंने अपने परिवार, गांव और पूरे जौनसार–बावर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में सहयोग कर रही युवा कल्याण समिति के प्रयासों से भी ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। समिति के अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र के कई छात्र–छात्राएं खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। समिति की ओर से ह्यपढ़ेंगे हम तो बढ़ेंगे हमह्ल अभियान के तहत मेधावी छात्र–छात्राओं को शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में सहयोग दिया जा रहा है। आयुष के राष्ट्रीय स्तर पर चयन की खबर से उनके परिवार और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों एवं खेल प्रेमियों ने आयुष को बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और भविष्य में देश–प्रदेश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी हैं।



हाथ से उखड़ गई नई सड़क, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

हल्द्वानी। बरसात का मौसम बीतने के बाद हल्द्वानी शहर में जगह–जगह सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं, लेकिन इन कार्यों में गुणवत्ता का कितना ध्यान रखा जा रहा है, इसकी पोल लाइन नंबर एक से आठ के बीच बनी सड़क ने खोल दी है। यहां निर्माण के कुछ समय बाद ही सड़क की परत हाथ से उखड़ने लगी। स्थानीय लोगों ने हाथ से ही सड़क उखाड़कर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए हैं।

जीओ जारी करने की मांग पर अड़ी समिति

कर्णप्रयाग। सिमली बेस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज का जीओ जारी करने की मांग के लिए बेस अस्पताल संघर्ष समिति का धरना रविवार को 29वें दिन भी जारी रहा ।समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि करोड़ों रुपये की लागत से गढ़वाल और कुमाऊंमंडलों के केंद्र बिंदु सिमली में स्थित स्वास्थ्य केंद्र सहित आवासीय भवन और आधुनिक स्वास्थ्य उपकरणों से सुसज्जित कर दिया गया है लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती नही होने से गंभीर रुप से बीमार मरीज उपचार के लिए श्रीनगर और देहरादून जाने के लिए विवश हैं। सीएम तथा क्षेत्रीय विधायक की ओर से किसी भी प्रकार का सकारात्मक प्रयास नही किया जा रहा है। मात्र घोषणा और आश्वासनों तक ही बेस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की घोषणा सिमट कर रह गई है। उन्होंने कहा कि अब संघर्ष समिति की ओर से गढ़वाल और कुमाऊंजनपदों में समस्या के निराकरण के लिए जन अधिकार यात्रा और वृहद रुप से हस्ताक्षर अभियान संचालित करने की रुपरेखा बनाई जा रही है।

उत्तराखंड में मिनरल मार्ट पोर्टल शुरू, अब घर बैठे खरीद सकेंगे रेत–बजरी और निर्माण सामग्री

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश के आम नागरिकों और निर्माण कार्यों से जुड़े कारोबारियों को बड़ी राहत देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य में खनिज सामग्री की खरीद और खनन विभाग से संबंधित विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तराखंड मिनरल मार्ट पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से अब उपभोक्ता घर बैठे अपनी आवश्यकता के अनुसार रेत, बजरी और अन्य निर्माण सामग्री खरीद सकेंगे। खनन विभाग की इस डिजिटल पहल का उद्देश्य खनिज सामग्री की खरीद प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाना है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को खनन सामग्री खरीदने के लिए अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मिनरल मार्ट पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक और निर्माण कार्यों से जुड़े उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार खनिज सामग्री की उपलब्धता और कीमतों की जानकारी



प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए विभाग में पंजीकृत स्टॉकिस्ट और स्टोन क्रेशर संचालकों के नाम तथा संपर्क नंबर पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए हैं। इस व्यवस्था से उपभोक्ता अपनी आवश्यकता के अनुसार संबंधित विक्रेत्ता से संपर्क कर निर्माण सामग्री खरीद सकेंगे। इससे सामग्री की खरीद में सुविधा मिलने के साथ ही बाजार में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

खनन विभाग की अन्य सेवाएं भी ऑनलाइन

मिनरल मार्ट के साथ ही खनन विभाग की ई–सर्विसेज के माध्यम से खनन अनुमति, खनन पट्टा, रिटेल भंडारण सहित विभिन्न सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इससे आम नागरिकों, कारोबारियों और खनन क्षेत्र से जुड़े लोगों को विभागीय प्रक्रियाओं में सहूलियत मिलेगी।

राजस्व बढ़ाने के साथ डिजिटल व्यवस्था पर जोर

उत्तराखंड का खनन विभाग राज्य के प्रमुख राजस्व अर्जित करने वाले विभागों में शामिल है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, विभाग को चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 1,200 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हो चुका है। अब विभाग का जोर राजस्व व्यवस्था को मजबूत करने के साथ–साथ आम जनता को डिजिटल माध्यम से बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर है।

संक्षिप्त समाचार

अतिथि शिक्षकों का मानदेय बढ़ाने की तैयारी



देहरादून। प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय परिसरों में कार्यरत गेस्ट फैकल्टी के लिए राहत की खबर है। सरकार उनका मानदेय 35 हजार रुपये से बढ़ाकर 57700 रुपये करने जा रही है। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के मुताबिक गेस्ट फैकल्टी को यूजीसी के अनुरूप निर्धारित मानदेय देने के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रस्ताव को कैबिनेट में लाया जाएगा। वहीं, राजकीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के एक लाख से अधिक छात्र–छात्राओं को टैबलेट दिए जाएंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने विधानसभा स्थित सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान व्यय बजट की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को अवशेष बजट शीघ्र खर्च करने एवं विभिन्न निर्माण कार्यों को नियत समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने विभाग में विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं के शिलान्यास व पूर्ण हो चुकी योजनाओं के लोकार्पण की सूची तैयार करने के भी निर्देश दिए।

नवंबर में भी तेवर दिखा रहा सूरज, लंबा हुआ ठंड का इंतजार

देहरादून।नवंबर का महीना बीतने को है, लेकिन उत्तराखंड में सर्दी की दस्तक का इंतजार लंबा होता जा रहा है। खासकर मैदानी इलाकों में सूरज अपने खूब तेवर दिखा रहा है। आमतौर पर इस समय तक सुबह–शाम ठंड बढ़ने लगती है और दिन के तापमान में भी गिरावट आने लगती है। इसके उलट इस बार नवंबर के तीसरे सप्ताह में भी मैदानी इलाकों में गर्मी का अहसास हो रहा है। दिन में तेज धूप के चलते अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। वहीं, रात के तापमान में भी अपेक्षित गिरावट नहीं होने से ठंड का असर कम महसूस हो रहा है।मौसम के आंकड़े इस बदलाव की तस्वीर बयां कर रहे हैं। बीती 10 नवंबर को दून का अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री अधिक था। खास बात यह है कि करीब दस साल बाद नवंबर में अधिकतम तापमान इस स्तर तक पहुंचा है। इससे पहले दो नवंबर 2016 को भी दून का अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके बाद से लगातार दिन का तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है।

शान–ए–टिहरी के ऑडिशन में 120 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

नई टिहरी। त्रिवेणी कौथिग के तहत आयोजित होने वाली शान–ए–टिहरी प्रतियोगिता के ऑडिशन में जिलेभर के 120 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गायन, नृत्य और वादन की विभिन्न विधाओं में हुए ऑडिशन के बाद निर्णायक मंडल ने ग्रैंड फिनाले के लिए प्रतिभागियों का चयन किया। चयनित प्रतिभागी अब त्रिवेणी कौथिग के मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे। बौराड़ी स्थित विवेक मेमोरियल सुरगंगा संगीत विद्यालय में आयोजित ऑडिशन में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से टिहरी के गांवों में छिपी प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है। युवाओं को कला के क्षेत्र में कॅरियर बनाने की दिशा भी मिल सकती है। निर्णायक मंडल में महीपाल सिंह नेगी, अर्जुन चंद्र, अरविंद कोहली, त्रिहरि नेगी, कंचन कुकरेती, बबीता रावत और सुनीता फोंदणी शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कर ग्रैंड फिनाले के लिए योग्य प्रतिभाओं का चयन किया। सुरगंगा संगीत विद्यालय के निदेशक डॉ. विकास फोंदणी ने बताया कि ऑडिशन में 120 प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

हाट कालिका मंदिर के आसपास मिले स्ट्रोमैटोलाइट जीवाश्म

गंगोलीहाट में विश्व प्रसिद्ध हाट कालिका मंदिर के आसपास स्ट्रोमैटोलाइट जीवाश्म यानी शैवाल मिले हैं जिनकी मौजूदगी हजारों साल पहले सूक्ष्मजीवों की मौजूदगी दर्शाती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस जगह का महत्व बढ़ गया है। ऐसे में गंगोलीहाट के इस स्थल को राष्ट्रीय भू–विरासत की मान्यता मिली है।

रामलाल आनंद दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ पर्यवेक्षक पिथौरागढ़ एवं आसपास के जिलों में यूनेस्को जियो पार्क परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। यह परियोजना पर्यावरण मंत्रालय एवं राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन की निगरानी में संचालित की जा रही है।

पर्यवेक्षकों ने गंगोलीहाट नगर के पास हाटकालिका मंदिर क्षेत्र में स्ट्रोमैटोलाइट जीवाश्मों की खोज की है जो इस परियोजना की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। बीते 9 अक्तूबर 2026 को हुई एक बैठक में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की तरफ से इस भू–स्थल को राष्ट्रीय भू–विरासत स्थल घोषित किया गया है। पूरे प्रदेश में भू–विरासत स्थल का दर्जा प्राप्त करने वाला यह



पहला स्थल है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की उपमहानिदेशक डॉ. स्निग्धा घटक ने अपनी टीम के साथ 18 से 20 नवंबर तक गंगोलीहाट, बेरीनाग तथा पिथौरागढ़ के भू–स्थलों का सर्वेक्षण किया। अपने सर्वेक्षण में उन्होंने इस क्षेत्र के भू–स्थलों के अंतरराष्ट्रीय महत्व की पुष्टि की है। ऐसे में इस स्थल को जियो पार्क के रूप में विकसित करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

डीएम से मिली टीम, इस स्थल पर बन रही पार्किंग को बताया नुकसानदायक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन की टीम ने नोडल अधिकारी श्री महेंद्र लोढ़ी के नेतृत्व में डीएम आशीष भट्टगाईं से मुलाकात की। डॉ. घटक ने गंगोलीहाट के भू–स्थल के वैज्ञानिक महत्व को बताते हुए कहा कि इसका संरक्षण आवश्यक है। जियो पार्क परियोजना के मुख्य पर्यवेक्षक प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि इस भू–स्थल पर पार्किंग के निर्माण के लिए हो रहे भू–खनन से इसके वैज्ञानिक महत्व को नुकसान पहुंचने की संभावना है। उन्होंने इस भू–स्थल पर मौजूद स्ट्रोमैटोलाइट जीवाश्मों के संरक्षण के लिए पार्किंग स्थल की दिशा बदलने के साथ ही यहां जियो पार्क सूचना केंद्र का निर्माण करने का अनुरोध किया है। डीएम ने इसका आश्वासन देकर डॉ. घटक से इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की बात कही। डीएम ने उनसे सूचना केंद्र का डिजाइन प्रस्तुत करने का आग्रह किया है।

ये होते हैं स्ट्रोमैटोलाइट जीवाश्म

स्ट्रोमैटोलाइट यानी नील हरित शैवाल परत–दर–परत वृद्धि करते हैं। उथले पानी में सायनोबैक्टीरिया की चिपचिपी परत तलछट के कणों को फंसाती और बांधती है, जिससे समय के साथ स्ट्रोमैटोलाइट की परतदार टीले या चट्टानें बनती हैं। स्ट्रोमैटोलाइट लगभग 3.5 से 3.7 अरब वर्ष पुराने हो सकते हैं जो पृथ्वी पर शुरुआती जीवन की मौजूदगी को दर्शाते हैं।

दुकान से निकला कारोबारी दो दिन से लापता

हल्द्वानी। मुखानी कोतवाली क्षेत्र के लामाचौड़ स्थित जयपुर पाडली नंबर दो निवासी पंकज पांडे 19 नवंबर की शाम सात बजे से लापता हैं। उनके भाई दीपक पांडे की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दी तहरीर में दीपक ने बताया कि 19 नवंबर की रात पंकज दुकान का शटर गिराकर निकला था। स्कूटी और मोबाइल दुकान में ही छोड़ दिया। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला है। बताया कि पंकज मुखानी के भट्ट कॉलोनी फेज दो में सेकेंड व्हाइट सोल्यूशन नाम से दुकान का संचालन करते हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। एसपी सिटी हरबंस सिंह ने बताया कि मोबाइल सीडीआर निकाली जा रही है। एक टीम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

वन्यजीव अंग कार्यालयों से गायब हुए तो डीएफओ होंगे जिम्मेदार

हल्द्वानी। वन विभाग के कार्यालयों में रखे हुए हाथी दांत समेत अन्य वन्यजीव अंग गायब हुए तो व्यक्तिगत तौर पर डीएफओ जिम्मेदार होंगे। इसके अलावा जहां पर वन्यजीव अंग रखे गए हैं, वहां पर सुरक्षा और कड़ी की जाएगी। इस संबंध में प्रमुख वन संरक्षक वन्यजीव ने दिशा–निर्देश जारी किए हैं।पिछले महीने लैंसडौन वन प्रभाग के लालढांग रेंज में पांच हाथी दांत चोरी का मामला सामने आया था। इससे वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे थे। अब वन मुख्यालय ने घटना से सबक लेते हुए कार्यालयों में रखे वन्यजीव अंगों की सुरक्षा और बेहतर करने का फैसला किया।इस संबंध में हाल में पीसीसीएफ वन्यजीव नीना ग्रेवाल ने दिशा–निर्देश सभी टाइगर रिजर्व और डीएफओ जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि डीएफओ स्वयं हर आर्टिकल की भौतिक उपलब्धता, संख्या, माप, पहचान और अभिलेखों का परीक्षण करेंगे। अधीनस्थ स्तर पर कराई गई गणना, सत्यापन को बिना स्वयं संतुष्ट हुए प्रमाणित न किया जाए। किसी भी वन्यजीव अंग के खोने, बदलने, अनधिकृत रूप से हटाए जाने या अभिलेखीय या मौके पर न मिलने पर संबंधित डीएफओ की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी।

नशे में वाहन चलाते चालक पकड़ा, लाइसेंस होगा निरस्त

गोपेश्वर। पुलिस ने पटियालधार के पास चेकिंग के दौरान तेज रफ्तार से आते एक वाहन को रोका तो चालक नशे में धुत मिला। पुलिस ने वाहन सीज कर चालक के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस उपाधीक्षक यातायात त्रिवेंद्र सिंह राणा शनिवार को चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान नशे में वाहन चलाते हुए चालक ऋतिक निवासी घिंघराण पकड़ा गया। कोतवाली गोपेश्वर पुलिस ने चालक का मेडिकल परीक्षण कराया जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने वाहन सीज करने और लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। पुलिस उपाधीक्षक त्रिवेंद्र सिंह राणा ने कहा कि नशे में वाहन चलाना सिर्फ अपराध नही बल्कि सड़क पर मौजूद हर व्यक्ति के जीवन से खिलवाड़ है। इस तरह वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

औद्योगिक विकास विभाग के नाम हुई एचएमटी की 31 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री

हल्द्वानी। लंबे अंतराल के बाद आखिरकार रानीबाग स्थित बंद पड़ी एचएमटी फैक्टरी की 31 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री औद्योगिक विकास विभाग के नाम हो गई है। शेष 14 एकड़ जमीन अभी ईपीएफओ के पास बंधक है। इस भूमि की रजिस्ट्री कराने में सरकार को स्टांप शुल्क अदा नहीं करना पड़ा है क्योंकि यह सरकारी उपक्रम था। सरकार को नाममात्र का ही रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा कराना पड़ा है। सरकार की इस पहल के बाद अब एचएमटी की खाली पड़ी जमीन का जल्द सदुपयोग होने के आसार बढ़ गए हैं।

एचएमटी परिसर की यह जमीन दो ग्रामसभाओं क्रमशः जंतवालगांव और अमृतुपर के अधीन है। यहां कुल 45 एकड़ भूमि है। इसमें से अभी 31 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री हुई है। अधिकारियों के मुताबिक केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में भूमि हस्तांतरण की स्वीकृति दे दी थी। फरवरी 2023 में प्रदेश सरकार ने एचएमटी प्रबंधन को 72 करोड़ रुपये देकर 18.34 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा ले लिया था। कुछ दिन पहले सरकार ने कुल भूमि में से 31 एकड़ जमीन की रजिस्ट्री करा ली है।

2025 से ईपीएफओ के कब्जे में है 14 एकड़ भूमि

फैक्टरी बंद करने के बावजूद एचएमटी प्रबंधन ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों की भविष्य निधि अंशदान की लगभग दस करोड़ से अधिक की राशि ईपीएफओ में जमा नहीं कराई थी। कर्मचारियों ने ईपीएफओ के अधिकारियों से मामले में कार्रवाई की मांग की थी। ईपीएफओ की जांच में पता चला कि फैक्टरी प्रबंधन ने लगभग 800 कर्मचारियों की धनराशि जमा नहीं कराई है।

इस पर ईपीएफओ ने 31 जुलाई 2025 को एचएमटी की 14.4 एकड़ जमीन अधिग्रहित कर ली थी। उक्त भूमि के ईपीएफओ के पास होने के कारण इसकी रजिस्ट्री नहीं हो सकी।

24 साल से झूलाघाट में मोटर पुल का इंतजार

पिथौरागढ़। भारत के साथ ही भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बैतड़ी जिले की जनता पिछले 24 वर्षों से झूलाघाट में काली नदी पर मोटर पुल की राह देख रही है। पुल बनने से पिथौरागढ़ के व्यापारियों को भी लाभ होगा। पूर्व में दोनों देशों के बीच पुल निर्माण की सहमति बनी। बाद में यह मामला अधर में लटक गया। अब नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के भारत दौरे पर लोगों को सीमा पर मोटर पुल निर्माण की उम्मीद जगी है।

उद्योग वाणिज्य संघ बैतड़ी के अध्यक्ष और झूलाघाट मोटर पुल निर्माण समिति के संयोजक नर बहादुर चंद ने बताया कि 24 वर्ष पहले पुल निर्माण समिति ने पुल निर्माण के पक्ष में बैतड़ी जिले के 10 हजार लोगों का हस्ताक्षर युक्त पत्र नेपाल सरकार और भारतीय राजदूतावास को भेजा गया।

आठ वर्ष पूर्व नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री को भी ज्ञापन दिया। इसके बाद बैतड़ी के लोगों ने जिला कार्यालय में 37 दिनों तक धरना–प्रदर्शन किया। पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा, पुष्प कमल दहाल, केपी ओली, बाबुराम भट्टाराई भी अपने बैतड़ी भ्रमण के दौरान झूलाघाट में मोटर पुल बनाने



का वादा कर चुके हैं, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ पाया।

नेपाल के सीमावर्ती जिलों के साथ ही पिथौरागढ़ को भी मिलेगा लाभ

मोटर पुल बनने से बैतड़ी के साथ ही डडेलधुरा और दार्चुला जिले के लोगों को भारत से बड़े स्तर पर व्यापार करने का अवसर मिलेगा। सीमावर्ती भारतीय बाजारों में भी रौनक बढ़ेगी। पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय के व्यापारियों और अन्य लोगों को भी फायदा होगा। पुल बनने से बैतड़ी के ग्राहक सीधे अपनी गाड़ियों से पिथौरागढ़ बाजार पहुंच सकेंगे, जिससे उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं, गुणवत्तायुक्त उत्पाद कम कीमतों पर हासिल हो पाएंगे। इस सबके बीच सभी की नजरें अब 22 नवंबर को प्रधानमंत्री बालेंद्र के भारत दौरे पर लगी हैं। नर बहादुर चंद कहते हैं हमें भरोसा है कि प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह मोटर पुल निर्माण संबंधी बातचीत भारत के साथ आगे बढ़ाकर बैतड़ी वासियों की सुविधाओं का ध्यान रखेंगे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

अफगान स्पिनर नूर बोले- धोनी महान प्लेयर उन्हें सभी मिस करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भले ही अब आईपीएल में बतौर खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे, लेकिन टीम के साथ मेंटर के रूप में उनकी मौजूदगी सीएसके के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह मानना है अफगानिस्तान के युवा स्पिनर नूर अहमद का। उन्होंने कहा कि धोनी की विकेट के पीछे शानदार विकेटकीपिंग और मैच फिनिश करने की क्षमता को टीम जरूर मिस करेगी, लेकिन उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद मददगार होगा। आईपीएल रिटेंशन की समयसीमा से पहले धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनके शानदार सफर का अंत हो गया।



धोनी की स्टंपिंग और फिनिशिंग को करेंगे मिस

दुबई में जारी डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नूर अहमद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हर कोई उन्हें मिस करेगा, लेकिन उनकी नई भूमिका टीम की काफी मदद करने वाली है। मैं खुश हूं कि वह अब भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।' धोनी की किन खूबियों की कमी सबसे ज्यादा खलेगी, इस सवाल पर नूर ने कहा कि उनकी स्टंपिंग और मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता को सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

21 वर्षीय नूर अहमद का मानना है कि दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलता है। अलग-अलग टीमों के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से उनके खेल में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में खेलने से खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों, मैदानों और मैच के दौरान पैदा होने वाली चुनौतियों को समझने का अनुभव मिलता है। इससे खिलाड़ियों की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहतर होती है।

परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली टीम को मिलेगा फायदा

नूर अहमद ने कहा कि इंटरनेशनल लीग टी20 में वही टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो जल्द से जल्द वहां की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लेंगी। कई खिलाड़ी लगातार क्रिकेट खेलने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता अहम होगी।

आधुनिक क्रिकेट में बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बढ़ते प्रभाव और स्पिनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर नूर ने कहा कि गेंद को हवा में डालना भी स्पिन गेंदबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कला है। इससे गेंद की गति कम करने और बल्लेबाज को चकमा देने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पिचें काफी सपाट होती हैं। ऐसे में स्पिनरों को टिके रहने और प्रभावी बने रहने के लिए हर तरह की विविधता का इस्तेमाल करना पड़ता है।

न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, भारत से 233 रन पीछे

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।



भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्थह्व देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया।

इस पारी की एक अऔर बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया था।इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, 720 रन पर घोषित की पारी

ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी।

भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरुआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

आलोचकों को दिया करारा जवाब

पंत बोले- अब छक्कों का जुनून नहीं, निरंतरता है प्राथमिकता

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्थह्व देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्थह्व देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं।

अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।



न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास

पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।'

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा

नई दिल्ली। भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला ड्रॉ टीम इंडिया ने 1-0 से जीती तीन मैचों की सीरीज

ऑकलैंड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से जीत ली। रविवार को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके साथ ही भारतीय टीम पूरी सीरीज में अजेय रही। भारत ने सीरीज के पहले मुकाबले में 19 नवंबर को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

पहले हाफ में भारत ने बनाई बढ़त

मेजबान न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय ने 16वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही कार्थी सेल्वम ने 18वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद अपनी बढ़त कायम रखी और मुकाबले के अंतिम चरण तक बढ़त बनाए रखी।



55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने की बराबरी-मैच के 55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। बेनजी कल्हेन ने फील्ड गोल कर मेजबान टीम को बराबरी पर ला दिया। आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

बॉयकॉट बोले- पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा

दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है।



विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है।उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया। बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।